

प्रधानमंत्री का वन नेशन-वन इलेक्शन विजन होगा साकार, विकास कार्यों में आणगी गति : नायब सिंह सैनी

अच्छे कामों का विरोध करना, कांग्रेस की आदत- मुख्यमंत्री

किसान हित के नाम पर कांग्रेस व आप पार्टी कर रही है राजनीति

समाचार गेट/ब्यूरो
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने संसद में आज पेश किए गए वन नेशन-वन इलेक्शन बिल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस बिल के पास होने से प्रधानमंत्री का विजन साकार होगा और एक ही समय पर चुनाव होने से समय और धन दोनों की बचत होगी तथा देश-प्रदेश में विकास का क्रम निरंतर जारी होगा। मुख्यमंत्री आज पिंजौर के जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र में 25 गिद्धों को खुरली हवा में छोड़ने के कार्यक्रम के उपरति पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर पर्यावरण, वन तथा वन्य जीव मंत्री राव नरवीर सिंह



भी उपस्थित थे।
किसान हित के नाम पर कांग्रेस व आप पार्टी कर रही है राजनीति
नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की हमेशा सरकार के द्वारा किए जा रहे अच्छे कामों का विरोध करने की आदत हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश पर 55 वर्षों तक राज किया, लेकिन उन्होंने किसान हित

के लिए कोई भी अच्छा निर्णय लिया हो तो वे बताएँ। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। वहीं, पंजाब व दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है, इन प्रांतों में किसान धरने व प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान के नाम पर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी मिलकर राजनीति कर रहे हैं।
हरियाणा सरकार लगातार

किसान हित में कर रही है कार्य
मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार किसान हित में कार्य कर रही है। हमारी सरकार शत-प्रतिशत फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। सब्जी किसानों को भावार्त योजना के तहत लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पर सब्जी डी दो जा रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी किसानों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 4500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का किसानों को भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को ट्रैक्टर व कृषि उपकरणों पर सब्सिडी दे रही है और किसान का खर्च कम से कम हो, इसके लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरिया व डीएपी के भाव बढ़े थे तो प्रधानमंत्री ने इनके दाम बढ़ाने पर रोक लगाई और किसान को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध करवाई, ताकि किसान पर आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि स्वामिनाथन आयोग की रिपोर्ट को यूपीए के समय ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आज इंडी गटबंधन जो उस समय यूपीए का हिस्सा था, वे आज किसान हित की बात कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए हरियाणा के किसान आगे आए, इसके लिए वे किसानों के आभारी हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी हरियाणा की इस पहल की तारीफ की है।

मुख्य सचिव ने की गुरुग्राम की समस्याओं के समाधान हेतु समन्वय बैठक की अध्यक्षता

समस्याओं के समाधान में जागरूक नागरिकों को भागीदार बनाएं : डॉ. वितेक जोशी



समाचार गेट/ब्यूरो
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव डॉ. वितेक जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरुग्राम शहर में निर्माण एवं विखंडन जनित मलबे के प्रसंस्करण हेतु प्रोसेसिंग प्लांट के कार्य में तेजी लाई जाए। साथ ही, समय पर कार्य पूरा करने के लिए अतिरिक्त श्रमिक तथा ठेकेदार लगाए जाएं।
मुख्य सचिव आज यहां गुरुग्राम शहर की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा करने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। स्वच्छ हरियाणा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, डॉ. वितेक जोशी ने अधिकारियों को नए टोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया 15 दिनों के भीतर पूरी करने को कहा। लगभग 14 लाख मीट्रिक टन

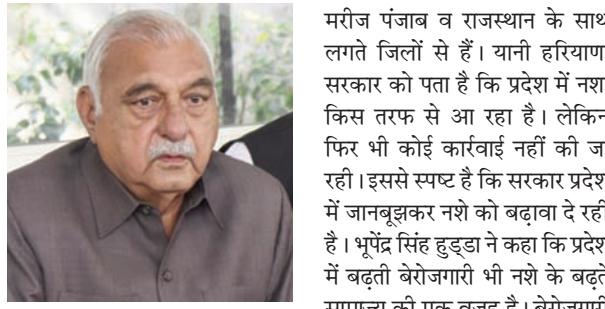
वर्षों से जमा अपशिष्ट के प्रसंस्करण के लिए निविदाएं अनुमोदन के चरण में हैं। संसाधनों के बेहतर उपयोग के उद्देश्य से, गुरुग्राम में एक स्वतंत्र टोस निर्माण एवं विखंडन मलबा प्रबंधन प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। इस प्रकोष्ठ में एक संयुक्त आयुक्त, कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता तथा सेनेटरी इंस्पेक्टर शामिल होंगे। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी आवश्यक हो, मैनापावर बढ़ाई जाए ताकि गुरुग्राम में परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकें।
मुख्य सचिव ने इस बात पर बल दिया कि नरसिंहपुर गांव के पास एनएच-48 पर जलभराव की समस्या को बरसात के मौसम से पहले हल किया जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारी जागरूक

नागरिकों को तत्परता से जोड़ें, उनके सुझाव लें और उन्हें धरातल पर लागू करें। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के लोकहितैषी नागरिकों को शिकायत निवारण प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।
मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरुग्राम के सेक्टर-65 में इलेक्ट्रिक बस डिपो के निर्माण के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी की जाए। बैठक में गुरुग्राम में सड़कों की मरम्मत, भूमि हस्तांतरण, पानी की कमी, सीवर लाइन आदि से संबंधित मुद्दे भी उठाए गए। बैठक में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, परिवहन तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण समेत कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

टीनेजर भी फंस रहे नशे के चंगुल में, तस्करी में भी हो रहा इस्तेमाल : हुड्डा

नशे का कारोबार बढ़ रहा है, बीजेपी सरकार में, सतर्कता बरतें अभिभावक व आम जनता- हुड्डा

5 साल में 15 लाख लोग नशे का इलाज करवाने पहुंचे अस्पताल व नशा मुक्ति केंद्र- हुड्डा



इतना ही नहीं, बड़ा तादाद में टीनेजर को नशा तस्करी के कारोबार में भी धकेला जा रहा है। प्रदेश में नशा किस कदम बढ़ गया है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले 5 साल में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से लगभग 15 लाख लोग सरकारी अस्पतालों की ओपीडी और नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे हैं। हालांकि यह आंकड़ा इससे कई गुणा बढ़ा हो सकता है। क्योंकि नशे की दलदल में फंसे लाखों लोग इलाज के लिए आगे नहीं आते हैं और अपनी जिंदगी तबाह कर लेते हैं। हुड्डा ने कहा कि अस्पतालों व नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे ज्यादातर

अब प्रदेश के डिपुओं के बाहर लगेंगे हेल्पलाइन नंबर, उपभोक्ताओं की शिकायतें होंगी रिकॉर्ड : राजेश नागर



समाचार गेट/संजय शर्मा
चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश के सभी डिपुओं के बाहर हेल्पलाइन नंबर लगाए जाएं ताकि उपभोक्ता कोई भी परेशानी होने पर अपनी बात हेल्पलाइन नंबर पर कह सकें। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता द्वारा हेल्पलाइन फ़ोन नंबर पर की गई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी होनी चाहिए

ताकि इस बात का ट्रैक रखा जा सके कि क्या शिकायत थी और उस पर क्या कारवाई की गई है। डिपुओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात वे पहले ही कह चुके हैं। श्री राजेश नागर आज चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में प्रदेश भर से विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने एक-एक अधिकारी से जिलों के राशन डिपुओं और राशन आपूर्ति को लेकर जवाब लिया।

बैठक में अधिकारियों ने अपनी समस्याएं राज्य मंत्री से कही और विभाग की व्यवस्था और समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वे कभी भी प्रदेश के किसी भी जिले - गांव में जाकर राशन डिपुओं का मुआयना कर सकते हैं। उन्होंने पिछले दिनों जिला पलवल में राशन के कट्टे में रेत पाए जाने वाले मामले में अस्सिस्टेंट फूड सप्लाय ऑफिसर को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने दर्ज की गई

एफआईआर की स्थिति पूछी और मामले में आगे कारवाई नहीं किए जाने पर सम्बंधित एएफएसओ को बर्खास्त करने के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों से पूरे प्रदेश में पिछले छह माह की सभी एफआईआर की वर्तमान स्थिति के बारे में रिपोर्ट सबमिट करने को कहा।
खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ने नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेंटर और राशन डिपुओं के तथ्यों के मेल न खाने पर भी अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने इस बारे में जिला अधिकारियों से रिपोर्ट सबमिट करने के आदेश दिए। खाद्य और आपूर्ति मंत्री ने नवंबर और दिसंबर माह की राशन सप्लाय पर अधिकारियों से स्थिति जानी और पूछा कि यदि पिछले दो महीने का राशन नहीं बंटता है तो इसका क्या कारण है। उन्होंने रसतों और सूरजमुखी के तेल को लेकर जिलों में आ रही समस्याओं पर भी अधिकारियों से बात की। श्री नागर ने तीनों सौ कार्ड पर एक राशन डिपो अलॉट करने वाले मामले पर अधिकारियों से स्थिति जानी।

घग्गर नदी के करीब रहने वाले लोगों कैंसर का अधिक खतरा, लोकसभा में सरकार ने दी जानकारी, घग्गर नदी का पानी न पीने योग्य और न ही नहाने योग्य

समाचार गेट/ब्यूरो
चंडीगढ़। हरियाणा के कई जिलों से होकर गुजरने वाली घग्गर नदी के आसपास रहने वाले लोगों में कैंसर का खतरा अधिक बना हुआ है, इस नदी का पानी इस कदर प्रदूषित हो चुका है कि यह पानी न तो पीने योग्य है और न ही नहाने योग्य। प्रदूषित पानी कैंसर को बढ़ा रहा है, हर वर्ष कैंसर रोगियों की संख्या बढ़

रही है पर रोगियों के उपचार की समुचित व्यवस्था नहीं है ऐसे में रोगियों को उपचार के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ या दूसरे राज्यों की ओर कूच करना पड़ता है।
गौरतलब हो कि सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से पूछा था कि हरियाणा में कैंसर रोगियों की संख्या कितनी है,

हरियाणा के विभिन्न जिलों में ऐसे रोगियों के उपचार के लिए किए गए विशेष कैंसर वार्ड का जिलावार ब्यौरा क्या है, हरियाणा में प्रवेश करने वाली घग्गर नदी का प्रदूषित पानी कैंसर फैलाने में किस हद तक द जिम्मेदार है, क्या सरकार ने इस नदी को साफ करने के लिए कोई योजना बनाई है क्या केंद्र सरकार देश में बीपीएल परिवारों के कैंसर

रजिस्ट्री कार्यक्रम के तहत सामने आए। राज्यमंत्री ने जवाब में कहा है कि हरियाणा में हिसार, करनाल, नूंह, सोनीपत और रोहतक के सरकारी मेडिकल कालेजों में कैंसर रोगियों की देखभाल की सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसके साथ ही राष्ट्रीय कैंसर संस्थान भादसा झर्रजर में कैंसर रोगियों की देखभाल की व्यापक सुविधाएं हैं। इसके साथ ही

प्रदेश के सभी 22 जिलों में राष्ट्रीय गैर संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया गया है, एनपी-एनसीडी के तहत पंचकूला, अंबाला, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र और यमुनानगर में 22 जिला एनसीडी क्लीनिक 157 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एनसरडी क्लीनिक और पांच जिलों में जिला कैंसर डे केयर सेंटर कार्यरत है। जवाब में कहा गया है कि

अध्ययन रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि घग्गर नदी के आसपास रहने वाले लोगों में कैंसर का अधिक खतरा है। घग्गर नदी के पानी में सीसा, लोहा और प्ल्यूमिनियम की मात्रा निर्धारित मात्रा से कहीं अधिक है जिसके चलते कैंसर रोग को बढ़ावा मिल रहा है। हरियाणा राज्य में इस नदी का पानी न तो पीने योग्य है और न ही नहाने योग्य है।

सभी फसलों पर एमएसपी देने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य : धनखड़

समाचार गेट/ब्यूरो
चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं हरियाणा के पूर्व कृषि मंत्री और प्रकाश धनखड़ ने एक कार्यक्रम में अपना संबोधन देते कहा कि कृषि राज्य का विषय है। हरियाणा में हमारी भाजपा सरकार सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। हरियाणा की तर्ज पर पंजाब को भी अपने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दस वर्षों में किसानों को जोखिम प्रबंधन के तहत 12 हजार 400 करोड़ रुपए बतौर मुआवजा किसानों को दिया है। जबकि कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने अपने दस वर्ष के कार्यकाल में केवल 1200 करोड़ रुपए किसानों को बतौर मुआवजा दिए थे। हुड्डा अपनी ही रिपोर्ट को दस साल तक दबाए बैठे रहे। कांग्रेस ने किसानों के हितों पर कोई काम नहीं किया, केवल राजनीति का माध्यम बनाया है। देश की जनता ने कांग्रेस को इन्हीं कारणों से नकार दिया है। पूर्व कृषि मंत्री धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को रखने के लिए आंदोलन करना सभी का हक है। किसान आंदोलन पवित्र है और इसकी पवित्रता बनी रहनी चाहिए। आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। कोई भी आंदोलन किसी दूसरे को परेशान करने का अधिकार नहीं देता।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा लोगों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

नशा मनुष्य के जीवन में विष के समान कष्टदायक : डॉ अशोक कुमार वर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा
गुरुग्राम। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंचुरी कुमार के मार्गदर्शन में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए सोहना पहुंचे और विभिन्न स्थानों पर नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया। वे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पहुंचे और जीआईआई बृजेश के अध्यक्षता में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया जिसमें 318 छात्र छात्राओं ने भा लिया। इसके साथ ही 17 शिक्षकों और 11 अनाज कर्मियों ने सहभागिता की। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक



डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य है, शिक्षा है अच्छा व्यवहार

निर्माण, सेवन और नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से व्याख्या करते हुए बताया कि नशा मनुष्य के लिए किसी भी रूप में लाभकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित नशा मनुष्य के जीवन में विष के समान कष्टदायक है जो मृत्यु का कारण बनता है। अनेक उदाहरण और काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे जैसी भयानक बुराई से दूर रहने का प्रण करवाया गया। उन्होंने बताया कि नशा छोड़ने के लिए करनाल के

सरकारी अस्पताल में निशुल्क सुविधा उपलब्ध है। ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर नशे की तस्करी में संलिप्त अपराधियों की गुप्त सूचनाएं देने के लिए कहा। अंत में शपथ ग्रहण करवाई और शिक्षकों के साथ अलग से नशे जैसे गंभीर विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि उनकी इस कार्य के लिए घर और विद्यालय में अधिक जिम्मेदारी है और उन्हें किस प्रकार अपने दायित्व का निर्वहन करना है।

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे प्लेटाइन	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायक	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेंटर	1551
नागरिक काल सेंटर	155300
ब्लड बैंक	948004444

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट: मेल में नाम, पता और मोबाइल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रयास सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने अपना 26वां स्थापना दिवस एवं सिल्वर जुबली समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। प्रयास सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा अपना 26वां स्थापना दिवस एवं सिल्वर जुबली समारोह प्रयास वेलफेयर भवन में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस समारोह में विधायक मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एफएसआईए के प्रेसिडेंट जी.एस. त्यागी ने की जबकि विशेष अतिथियों के रूप में प्रो. टीडी दिनकर, शिक्षाविद जेपी अग्रवाल, एमएस पहल, हरीश सिंगला, एडवोकेट सुरेंद्र गेरा, सुभाष गुप्ता आदि मौजूद रहे। सभी अतिथियों का फूलों के बुके से स्वागत किया गया। समारोह का मंच का संचालन अंतरराष्ट्रीय कवि दिनेश रघुवंशी ने किया जिन्होंने अपनी कविताओं द्वारा समय को बांध सा दिया और पूरी सभा को अपनी कविता के जादू से मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत और सरस्वती वंदना से हुई, जिसे प्रयास के छात्र-छात्राओं ने शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया। इसके बाद नृत्य नाटक की प्रस्तुति भी छात्रों द्वारा दी गई जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गई। वहीं अतिथि के तौर पर आए जे.के. रजा द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत ने आयोजन में एक और रंग भर दिया। सभी अतिथियों ने प्रयास द्वारा चलाए



जा रहे विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यों और गतिविधियों को खुले दिल से सराहना की और संस्था की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर प्रयास के संस्थापक चेयरमैन एम.एल. गुप्ता ने अपनी वक्तव्य में अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और प्रयास सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अपने 25 वर्षों के सफर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि कैसे इस संस्था की शुरुआत पांच छात्रों की नि:शुल्क शिक्षा के साथ की गई थी और आज यह संस्था समाज में शिक्षा, कौशल विकास और समाजसेवा के क्षेत्र में एक मिसाल बन चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके स्कूल को हरियाणा

सरकार द्वारा 12वीं कक्षा तक मान्यता मिल चुकी है और अब यहां विद्यार्थियों को विभिन्न वोकेशनल कोर्स जैसे कंप्यूटर, इलेक्ट्रिकल, मोबाइल रिपैरिंग, ब्यूटीशियन और सिलाई जैसी तकनीकी शिक्षा नि:शुल्क दी जा रही है। इसके अलावा प्रयास की स्पेशल कोचिंग की मदद से कुछ छात्रों ने जेईई की परीक्षा में भी सफलता प्राप्त की है और अब वे इंजीनियरिंग और मेडिकल में दाखिला ले चुके हैं।

कार्यक्रम के दौरान मूलचंद शर्मा ने बच्चों को स्टेटर, यूनिफॉर्म, जूते, मोजे आदि जैसे उनके जरूरतमंद के सामान वितरित किए। इसके अलावा अतिथियों द्वारा बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए झूलों का भी

उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रयास के चकिंग प्रेजिडेंट एमआर सिंगला ने भी शब्दों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत करते हुए वादा किया कि वे जीवनभर प्रयास से जुड़े रहेंगे। समारोह में विधायक मूलचंद शर्मा ने एमआर सिंगला को एकसीलेंस परफॉर्मेंस ऑफ द अवार्ड से सम्मानित भी किया। अंत में प्रयास सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सीनियर एजीक्यूटिव मैनेजर जीडी ऑल ने सभी अतिथियों का धन्यवाद कर कार्यक्रम का समापन किया। इस मौके पर सभी ने इस संस्था की निरंतर सफलता और सामाजिक कार्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी समाज की सेवा में संलग्न रहेंगे।

गणित सप्ताह के अवसर पर रामानुजन की उपलब्धियों से छात्राओं को अवगत कराया



समाचार गेट/संजय शर्मा फरीदाबाद। शिक्षा विभाग के आदेशानुसार गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में छात्राओं को गणित सप्ताह के अंतर्गत श्रीनिवास रामानुजन की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि आधुनिक काल के महानतम गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर 1887 को तमिल नाडु के इरोड जिले में एक तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

रामानुजन को बचपन से ही गणित से अत्यधिक लगाव था। अन्य विषयों में अरुचि के कारण उन्हें 12वीं में असफलता मिली। प्रेरणा की बात है कि जिस स्कूल से रामानुजन 12वीं में दो बार फेल हुए थे उसी का नाम आज रामानुजन के नाम पर है। गणित से लगाव होने के कारण रामानुजन ने मात्र 12 वर्ष की आयु में ही त्रिकोणमिति में महारत प्राप्त कर ली थी। टीबी रोग से ग्रस्त होने के कारण रामानुजन का देहांत बहुत छोटी 33 वर्ष की आयु में 26 अप्रैल 1920 को हो गया था। अपने जीवनकाल में रामानुजन ने विश्व को 3500 गणितीय सूत्र दिए। रामानुजन ने छोटी आयु में ही कई प्रमेय की रचना

की थी। श्रीनिवास रामानुजन जिन्हें अनंत को जानने वाले व्यक्ति के रूप में भी जाना जाता है ने गणित में कई औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया। फिर भी उन्होंने गणितीय विश्लेषण, संख्या सिद्धांत, अनंत श्रृंखला और निरंतर भिन्नों में पर्याप्त योगदान दिया जिसमें गणितीय समस्याओं के समाधान भी सम्मिलित थे। महान भारतीय गणितज्ञों जैसे ब्रह्मगुप्त, आर्यभट्ट और श्रीनिवास रामानुजन ने भारत में गणित के विभिन्न सूत्रों, थ्योरम और सिद्धांतों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इस प्रकार राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के माध्यम से भारतीय गणित की

अद्वितीय परंपरा को प्रोत्साहित करना और इसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। यह कड़ी मेहनत, उत्साह और लगन है जिसने श्रीनिवास रामानुजन को एक महान गणितज्ञ बनाया। गणित में अनुसंधान और विकास के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए गणित सप्ताह मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाते हुए अनुसंधान और विकास के लिए एक मंच बनाया गया है। यह मंच विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लंबे समय से पीछे रह गई विकास की विरासत को समृद्ध बनाने में सहायता करेगा जिसे गणित और विज्ञान के मूल संस्थापकों द्वारा स्थापित किया गया था। विद्यालय में कॉर्डिनेटर प्राध्यापिका ममता ने श्रीनिवास रामानुजन की गणित के प्रति उनके रुझान अनुसंधान पर विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया। इस सप्ताह में क्विज, पोस्टर मेकिंग, स्पीच आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने गणित में किए गए अनुसंधान और गणित के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए छात्रों और छात्राओं को प्रेरित करते हुए सभी अध्यापकों विशेष कर गणित अध्यापकों को इस आयोजन के लिए प्रशंसा की।

बांग्लादेशी घुसपैटियों एवं रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर फरीदाबाद पुलिस अलर्ट, चलाया सर्व अभियान

समाचार गेट/सुमित गोयल फरीदाबाद। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर छापेमारी की गई है। जिसके कारण दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों का फरीदाबाद में आगमन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता, जिसपर सजान लैटे हुए पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह ने फरीदाबाद पुलिस के सभी पुलिस उपायुक्त को निर्देशित किया है कि अपने अपने क्षेत्र में इस और विशेष ध्यान देकर निगरानी का स्तर बढ़ाया जाए तथा



लागूतार चेकिंग कराई जाए। पुलिस प्रवक्ता ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली से बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों का फरीदाबाद में आगमन की संभावना के मध्यनगर पुलिस

फरीदाबाद स्थित होटलों/धर्मशालाओं/ सराय इत्यादि की चेकिंग के साथ-साथ यातायात व लोकल पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर वाहनों की भी चेकिंग की जा रही है। आगे जानकारी देते हुए बताया कि मामले को लेकर फरीदाबाद पुलिस गम्भीर है किसी भी घुसपैटिया को फरीदाबाद में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। फरीदाबाद पुलिस के गुप्त तंत्रों अलर्ट हैं और सभी प्रबंधक थाना, चौकी प्रभारी व अपराध शाखा द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में लागूतार सर्च की जा रही है।

हरियाणा पुलिस द्वारा नशामुक्त अभियान के अंतर्गत मेडिकल स्टोर्स पर की गई चेकिंग

समाचार गेट/सुमित गोयल फरीदाबाद। पुलिस महानिदेशक हरियाणा, शत्रुजीत कपूर, ड्रग्स के निर्देशानुसार पूरे हरियाणा में नशामुक्त अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सेंट्रल जोन में लागूतार कार्रवाई जारी है इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त ओल्ड, विनोद कुमार के नेतृत्व में मेडिकल स्टोर्स की चेकिंग की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अवैध नशा पर फरीदाबाद पुलिस का प्रहार लगातार जारी है, जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ नशा तस्करी करने वाले के विरुद्ध भी कार्रवाई की

जा रही है। इसी क्रम में सेंट्रल जोन के सहायक पुलिस आयुक्त ओल्ड, विनोद कुमार के नेतृत्व में थाना सेक्टर 17, ओल्ड फरीदाबाद, पुलिस चौकी सेक्टर 16 व पुलिस चौकी सेक्टर 19 की टीम ने संतनगर, दौलताबाद, ओल्ड फरीदाबाद चौक एवं ओल्ड मार्केट में स्थित मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित दवाओं की चेकिंग की गई, इस दौरान डी.सी.ओ. संदीप गहलान भी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि उनके आसपास कोई नशा तस्करी के कार्य में संलिप्त है तो



इसकी सूचना हरियाणा नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो के टोल फ्री नंबर 9050891508 तथा फरीदाबाद

पुलिस के कंट्रोल रूम नंबर 9999150000 पर दे, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

प्रशासन गांव की ओर अभियान का 19 से 24 तक होगा आयोजन : डीसी

डीसी विक्रम सिंह ने कहा- ग्रामीण विकास की दिशा पर रहेगा विशेष फोकस

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। राष्ट्रव्यापी ग्रामीण विकास पर फोकस करते हुए जिला फरीदाबाद में 19 से 24 दिसंबर तक 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान शुरू किया जाएगा। ग्रामीण विकास पर केंद्रित इस अभियान के तहत लोगों को बेहतर ढंग से प्रशासनिक सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं और इस अभियान में और प्रभावी रूप से प्रशासन अपना दायित्व निभाएगा। यह जानकारी डीसी विक्रम सिंह ने दी। डीसी के मार्गदर्शन में चलने वाले इस पुनीत अभियान हेतु जिला ग्रामीण विकास अधिकरण के सीईओ सतबीर मान ने लघु सचिवालय सभागार में सुशासन सप्ताह के मद्देनजर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए केंद्र स्तर पर तैयारी की गई रूपरेखा में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जानकारी दी।

अभियान के बारे में डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से सुशासन को बढ़ावा देना है। सुशासन सप्ताह के दौरान जनता



को शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान 'प्रशासन गांव की ओर' शुरू किया जा रहा है। 19 से 24 दिसंबर तक रोजाना गांव के लोगों को समस्याएं सुनी जाएंगी और समस्याओं का निवारण किया जाएगा। सुशासन सप्ताह की रिपोर्ट सीपी ग्राम पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। सीएम विंडो और एसएमजीटी पर ग्रामीण क्षेत्र से आई शिकायतों का भी जल्द से जल्द समाधान करना है। ग्रामीण क्षेत्र के

अंत्योदय केंद्रों में आने वाली शिकायतों का समाधान भी दिए गए समयानुसार किया जाएगा। सभी विभाग विशेष शिविरों में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, सीपी ग्राम पोर्टल में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, राज्य पोर्टल पर निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, ऑनलाइन सेवा वितरण के लिए जोड़ी गई सेवाओं की संख्या, निपटाए गए सेवा वितरण आवेदनों की संख्या को दैनिक रूप से गुड

गवर्नेस पोर्टल पर अपलोड कराएंगे। गुड गवर्नेस के अंतर्गत किए गए कार्यों का संकलन, प्रचार-प्रसार तथा उन्हें पोर्टल पर अपेक्षित फोटोग्राफ के साथ तथा सार्वजनिक शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानियों संबंधित विभागों द्वारा पोर्टल पर अपलोड भी की जाएगी। बैठक में सीईओ जिला ग्रामीण विकास अधिकरण सतबीर मान, सीटीएम अंकित कुमार, डीडीपीओ प्रदीप कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारिण मौजूद थे।

हर शिकायत के निदान के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं समाधान शिविर : डीसी



समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला में समाधान शिविर के माध्यम से जन सुनवाई करते हुए जरूरतमंद लोगों को सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का प्राथमिकता से निदान किया जा रहा है। डीसी विक्रम सिंह जिला मुख्यालय पर प्रतिदिन कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सचिवालय सभागार में लगे समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए राहत पहुंचा रहे हैं। डीसी ने सम्बंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा निर्देश भी

दिए। समाधान शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे जिनकी सुनवाई डीसी द्वारा पूरे धैर्यपूर्वक की। डीसी ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई शिकायतों का अधिकांश का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिए गए।

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि एक छत के नीचे नागरिकों की शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के उद्देश्य से हर कार्य दिवस पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। शिविर में कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में

शिकायतों का हो रहा है मौके पर निदान डीसी विक्रम सिंह ने कहा- जनसेवा की दिशा में सरकार निभा रही जिम्मेदारी

संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित रहे ताकि शिकायतों का जल्द निपटारा किया जा सके और शिकायतकर्ताओं को समाधान होने पर जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि जिले में फरीदाबाद मुख्यालय सहित बल्लभगढ़ व बड़खल उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर का आयोजन हो रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों का फायदा उठा अपनी समस्याओं का निदान करवा रहे हैं। साथ ही नगर निगम की ओर से भी समाधान शिविर निगम कार्यालय में लगाये जा रहे हैं। समाधान शिविर में एडीसी साहिल गुप्ता, एसडीएम फरीदाबाद शिखा व सीटीएम अंकित कुमार सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारिण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ग्राहक दिवस पखवाड़े के उपलक्ष्य में एक रैली का शुभारंभ किया गया

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला बल्लभगढ़ इकाई द्वारा किया आयोजन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। रैली का शुभारंभ शिक्षा संस्कार कॉन्वेंट स्कूल, विष्णु कॉलोनी, बल्लभगढ़ के बच्चों की हरी झंडी दिखा कर मुख्य अतिथि माननीय बल्लभगढ़ विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री मूलचंद शर्मा जी के बड़े भाई श्री टीपर चंद शर्मा जी व अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप बंसल जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री प्रदीप बंसल जी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने



बताया कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय एक्सपायरी की तिथि देखकर ही वस्तुएं खरीदें वस्तुओं पर छपी अधिकतम बिक्री मूल्य पर भी

मोलभाव करने का अधिकार है। इस समय पूरे राष्ट्र में चल रहे ग्राहक पंचायत के ग्राहक जागरण पखवाड़े के बारे में सभी कार्यक्रमों की विस्तार

पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह ने आमजन को नशे के दुष्परिणाम बारे किया जागरूक

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस द्वारा आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है, इसी क्रम में आज पुलिस उपायुक्त ड्रग्स फरीदाबाद कुलदीप सिंह ड्रग्स द्वारा लैजर वेली पार्क, डबुआ कॉलोनी में नशामुक्त अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया व नशे से होने वाले नुकसान बारे विस्तार से समझाया कि नशा कैसे उनके व परिवार के लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। सभी को जीवन में नशा न करने की शपथ भी

दिलवाई गई। उन्होंने बच्चों को जीवन में खेल के महत्व के बारे में भी बतलाया गया कि खेल बच्चों के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में मदद करते हैं। इसलिये सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को खेल के लिये प्रोत्साहित करना चाहिये। नशे के दुष्परिणाम के साथ-साथ लोगों को साईबर अपराध के बारे में भी जानकारी दी गई। लोगों को साईबर टर्गों द्वारा टर्गों के नये-नये तरीकों से अवगत कराया और लोगों



से साईबर टर्गों से बचने के तरीके भी बतलाये गये। महिलाओं को महिला विरुद्ध अपराध के बारे में जागृत करते हुए सहायता के लिए डायल 112 व महिला हेल्प लाईन नं. 1091 के बारे में भी जानकारी दी गई। लोगों को सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा।

किसी भी प्रकार की सूचना देने के लिये हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की हेल्प लाईन नंबर 9050891508 व पुलिस कंट्रोल रूम नं. 9999150000 पर सूचित करें। पुलिस को सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा।

संपादकीय

क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड़ा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जित वक्त कांग्रेस गद्गद हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड़ा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं हैं, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अग्रणी अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुरागियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुरागियों ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए। लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मोटा-मोटा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भागी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहराने नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है। अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवाल के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा।

बगोत के युवक के शव का पंचनामा होने के चौथे दिन भी नहीं हुआ अंतिम संस्कार

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-दादरी मार्ग स्थित गांव बगोत के एक 26 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के बाद पुलिस ने पंचनामा करवा दिया था जिसका चौथे दिन बाद भी अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। मृतक के पिता कैलाश शर्मा आठ वर्षीयों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर 'डेड बाडी' रिसीव नहीं कर रहे हैं। पुलिस परिजनों से साक्ष्य मांग रही है। जबकि परिजन साक्ष्य देने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। बता दें कि शुक्रवार रात्री के समय 26 वर्षीय युवक मोहित ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली थी। जिसकी सूचना मिलने पर कनीना सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए उपनगरिक अस्पताल कनीना भिजवाया था। मृतक से किसी प्रकार का सुसाइड नोट आदि नहीं मिला था लिहाजा पुलिस ने इतराक्रिया कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा दिया। पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन प्रदेश के पूर्व मंत्री सहित 8 व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। युवक का शव अस्ताल के फ्रीजर में रखा हुआ है जिसे परिजन नहीं ले जा रहे हैं। अस्पताल में पुलिस सुरक्षा लगी हुई है। डीएसपी दिनेश कुमार ने कहा कि परिजनों की ओर से लगाए आरोपों की लीगल रूप से जांच कर रही है। परिजनों को सम्मान शव का अंतिम संस्कार करना चाहिए।

बिजली चोरी रोकने गई टीम पर हमला करने के आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सदर थाना अंतर्गत गांव मोडी में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली निगम की टीम पर हमला कर घायल करने वाले ग्रामीणों के विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बिजली कर्मचारियों की शिकायत के आधार पर निगम के एसडीओ उमेश वर्मा ने थाने में शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि अधिकारियों के निर्देश पर सोमवार सुबह करीब आठ बजे बिजली निगम कर्मचारियों की 7 सदस्यीय टीम मोडी में छापा मारने गई थी। टीम में विजय कुमार जेई-1, आनंद कुमार जेई, राकेश कुमार व संदीप कुमार एएफएम, संदीप कुमार एएएम, धर्मवीर एएलएम तथा गाडी चालक बिरेंद्र शामिल था। टीम ने टोलवा की ढाणी मोडी में प्रवेश कर बिजली चोरी की जांच की तो सुनील, हरिश, ब्रह्मप्रकाश, परमवीर, लालाराम, नरेश सहित 10 अन्य लोगों ने उन पर लाठी-डंडो से हमला बोल कर घायल कर दिया। कर्मचारी राकेश कुमार का मोबाईल फोन भी छीन लिया और सरकारी गाडी पर भी पथराव किया। थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मारपीट के आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। जिसकी गहनता से जांच की जा रही है। जल्द ही आगामी कार्रवाई की जाएगी।

एक्सप्रेसवे के बनने से बंद हुए खेतों के चकबंदी रास्तों व खालों में शिकायत दर्ज करवाएं किसान : मनोज कुमार

समाधान शिविर में पहुंची 20 शिकायतों में से 8 का मौके पर किया समाधान

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह सोनीपत। उपायुक्त डॉ॰ मनोज कुमार ने कहा कि जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे, सोनीपत-गोहाणा- जौद ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे, बड़वासनी से दिल्ली यूईआर-2, मेरठ-खरखोदा-लोहारू सहित जितने भी एक्सप्रेसवे जिला से गुजरते हैं उनके नीचे से अगर किसी किसान को चकबंदी रिकॉर्ड के अनुसार रास्ते बंद हो रहे हैं तो वह इसके लिए लघु सचिवालय सोनीपत स्थित डीआरओ कार्यालय के कमरा नंबर 115 में अपनी शिकायत दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान अपनी शिकायत लिखित में दें ताकि जल्द से जल्द उनका समाधान किया जा सके। उपायुक्त डॉ॰ मनोज कुमार मंगलवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में मिली शिकायतों के बाद यह निर्देश दे रहे थे। हरियाणा सरकार की ओर से जनसेवा सर्मपित होते हुए लागू जा रहे समाधान शिविर जरूरतमंद लोगों की शिकायतों का निदान करने में अहम हैं। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में



मंगलवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में आई 20 शिकायतों में से 08 शिकायतों को मौके पर ही समाधान करवाया गया। इसके अलावा 12 शिकायतों को समाधान के लिए संबंधित विभागों में भेजा गया।

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का निपटारा प्रार्थमिकता के आधार पर किया जा रहा है ताकि लोगों को मौके पर राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि एक छत के नीचे नागरिकों की शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के उद्देश्य से हर कार्य दिवस पर समाधान

शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित रहे ताकि शिकायतों का जल्द निपटारा किया जा सके। समाधान शिविर में आई अधिकारिता शिकायतों का मौके पर ही निदान करवाने का प्रयास किया जाता है। समाधान शिविर में राजस्व विभाग, परिवार पंचन पत्र, स्वास्थ्य विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, पुलिस इत्यादि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। प्रति कार्य दिवस सुबह 10 से 12 बजे तक हर नागरिक की हर

शिकायत के निदान के उद्देश्य से ही समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि जिला मुख्यालय सहित उपमण्डल स्तर पर व नगर निगम कार्यालय में भी रोजाना सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर लगाकर आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस मौके पर डीसीपी नरेंद्र सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम अमित कुमार, नाराधीश रेणुका नंदल, डीआरओ हरिओम अत्री तथा डीडीपीओ जितेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पुनहाना विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा आगे रहूंगा : यादराम गर्ग मेवाती



समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूंह। क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान करना ही उनकी पहली प्राथमिकता है, वह हमेशा लोगों के सुख-दुख में शामिल रहे हैं और आगे भी क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में शामिल रहेंगे। उक्त बातें पिनवावा करखे के वरिष्ठ समाज सेवी लाला यादराम गर्ग मेवाती ने पिनवावा स्थित फार्म हाउस पर युवा कार्यकर्ताओं की बैठक लेते हुए पनकर क्षेत्र से बातचीत करते हुए कही। इस दौरान क्षेत्र के युवाओं ने उनके फार्म हाउस पर आकर उन्हें क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया, इस दौरान उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को 'फोन कर जल्द से

जल्द उनके समाधान के लिए बात की। इस दौरान लाला यादराम गर्ग मेवाती ने कई समस्याओं को मौके पर ही सुलझाया। जिससे क्षेत्र के युवाओं ने लाला यादराम गर्ग मेवाती का कोटि-कोटि आभार जताया और कहा कि लाला यादराम गर्ग निस्वार्थ भाव से पहले भी जनता की सेवा की है और आज भी जनता की सेवा कर रहे हैं। इस दौरान लाला यादराम गर्ग ने युवाओं के साथ बैठक करते हुए पनकर क्षेत्र के लोगों की सेवा की है और हमेशा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए चाहे वह बिजली, पानी या रास्तों के निर्माण की बात हो उन्होंने हमेशा क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए काम किया

सेवा की है और आगे भी जनता की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा निस्वार्थ भाव से जनता के कार्यों को करा कर जनता की समस्याओं का समाधान कराया है। जिससे आज भी क्षेत्र में लोग उन्हें एक ईमानदार और छत्तीस बिरादरी का भाईचारा कायम रखने वाला एक सामाजिक व्यक्ति मानते हैं। उन्होंने कहा कि ना वो नेता हैं और ना वो चौधरी हैं। उन्होंने हमेशा भाई-बेटा बनकर क्षेत्र के लोगों की सेवा की है और हमेशा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए चाहे वह बिजली, पानी या रास्तों के निर्माण की बात हो उन्होंने हमेशा क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए काम किया

जनता के विश्वास और भरोसे को कभी टूटने नहीं दूंगा

क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में हमेशा शामिल रहा हूं और आगे भी रहूंगा

हैं और आगे भी करते रहेंगे। लाला यादराम ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ एक बैठक कर जल्द पुनहाना विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया जाएगा। जिससे पुनहाना विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सबसे पिछड़ा विधानसभा क्षेत्र पुनहाना है और इस विधानसभा क्षेत्र को सबसे ज्यादा विकसित विधानसभा क्षेत्र बनाना ही उनका लक्ष्य है। इस दौरान अजरूदीना, डाक्टर बाबु, सलमान, फकरू सहित काफी संख्या में युवा मौजूद रहे।

नौ गांवों की जमीन अधिग्रहण मुआवजा को लेकर किसानों ने एडीसी से की मुलाकात

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूंह। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद के नेतृत्व में रोजका मेव इंडस्ट्री एरिया के साथ लगते नौ गांव के कई किसान लघु सचिवालय पहुंचे यहां किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने एडीसी प्रदीप सिंह से एसडीएम को मौजूदगी में एचएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को लेकर को अपनी मांगों को लेकर अवगत कराया। हाफिज सिराजुद्दीन ने बताया कि हमारी तीन बड़ी मांगें हैं सबसे पहले किसानों को गुमराह करके भूमि अधिग्रहण के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाना से रोकने संबंधित जो पेपर पर साइन कराए गए हैं वह वापस दिया जाए। 2012 से अटक पड़ी 25 लाख रुपए प्रति एकड़ की राशि ब्याज सहित किसानों को दी जाए तथा जिन नौ गांव की जमीन अधिग्रहण की गई वहां विकास संबंधित कार्य करवाए जाएं उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने गांव के विकास संबंधित कार्य एक सप्ताह में शुरू करवाने का आश्वासन दिया है साथ ही दूसरी मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करवाने का आश्वासन भी दिया है भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद ने बताया कि किसानों ने अगस्त 2024 से इंडस्ट्री एरिया में सड़क बनाने सीवर व पेयजल लाइन डालने और बिजली ट्रांसमिशन संबंधित कार्य बंद करवा रखे हैं यदि



सरकार ने सकारात्मक रुख दिखाकर किसानों की मांगे नहीं मानी तो बड़ा फैसला लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसानों ने कहा कि शुरूआती दौर में की वार्ता सकारात्मक रही है। किसानों ने और से एक मांग पत्र भी अधिकारियों को सोपा गया। किसान नेताओं के मुताबिक वर्ष 2010 में अधिग्रहण की मुआवजा राशि 25 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दिया गया था। उसी समय बल्लभगढ़, फरीदाबाद जिले के 5 गांवों मच्छगर, चदावली, मुजेडी, नवादा, सौतई (बल्लभगढ़, फरीदाबाद) के किसानों का मुआवजा राशि बढ़ा दी गई है तो रोजका मेव के किसानों ने कम मुआवजा को लेकर धरना शुरू कर दिया और धरना लगभग 1.5 साल (18 माह) तक चला। उसके बाद सरकार किसानों के पास आई। जिसमें किसानों और सरकार के नुमाइंदों के बीच बातचीत होकर मुआवजा राशि 46 लाख रुपए प्रति एकड़ देने की बात हुई और सरकार ने मुआवजा राशि देने से पहले 9 गांवों के बीए नाले और अहलेद किसानों से एक इकरारनामा पर हस्ताक्षर व अंगूठा कराकर 46

लाख रुपए में से 21 लाख रुपए दिया। जब किसानों के सामने यह बात आई तो किसान दोबारा से साल 2013 से धरना पर बैठ गए। किसानों ने धरना प्रदर्शन दोबारा शुरू कर दिया। किसान शान्तिप्रिय तरीके से अपना धरना प्रदर्शन चलाते रहे। कुछ दिनों के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई किसानों ने अपना मुआवजा राशि की गुहार बीजेपी सरकार से लगाई। किसान नेताओं ने कहा कि अधिग्रहण के समय किसानों से लिया गया इकरारनामा को निरस्त किया जाए और बकाया मुआवजा राशि देकर किसानों के साथ न्याय किया जाए। किसान नेता रवि आजाद ने कहा कि सभी दस्तावेज बैठक में किसानों की तरफ से रखे गए हैं। उम्मीद है जल्द ही दशकों पुरानी मांग मंजूर होगी।

लाख रुपए में से 21 लाख रुपए दिया। जब किसानों के सामने यह बात आई तो किसान दोबारा से साल 2013 से धरना पर बैठ गए। किसानों ने धरना प्रदर्शन दोबारा शुरू कर दिया। किसान शान्तिप्रिय तरीके से अपना धरना प्रदर्शन चलाते रहे। कुछ दिनों के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई किसानों ने अपना मुआवजा राशि की गुहार बीजेपी सरकार से लगाई। किसान नेताओं ने कहा कि अधिग्रहण के समय किसानों से लिया गया इकरारनामा को निरस्त किया जाए और बकाया मुआवजा राशि देकर किसानों के साथ न्याय किया जाए। किसान नेता रवि आजाद ने कहा कि सभी दस्तावेज बैठक में किसानों की तरफ से रखे गए हैं। उम्मीद है जल्द ही दशकों पुरानी मांग मंजूर होगी।

सिवानी उपमंडल के गांव गढ़वा में लड़की के जन्म पर हुआ कुआं पूजन



समाचार गेट/सोनिका सूर्रा

सिवानी मंडी। सिवानी उपमंडल के गांव गढ़वा में जिसमें लड़कों के बराबर लड़की को तबज्जो देते हुए लड़की का जन्म होने पर उसका कुआं पूजन किया गया। इस परिवार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा चरितार्थ किया है लड़की की दादी मायापति दादा राजबीर सूर्रा ने कुआं पूजन करने की टानी और लड़के के कुआं पूजन की तरह ही पूरे रस्मो रिवाज के साथ लड़की का कुआं पूजन संपन्न कराया गया। जिसमें लड़की के ननिहाल से वह सभी साजो सामान दिया गया जो लड़के के कुआं पूजन पर दिया जाता है गढ़वा गांव में राकेश सूर्रा पुत्र राजबीर सूर्रा के घर पहले बच्चे के रूप में एक सुंदर सी कन्या लक्ष्म ने जन्म लिया तो घर में खुशियों की लहर दौड़ गई, सभी घर वालों ने पूरे रस्मो रिवाज से लड़की का नामकरण कराकर कुआं पूजन की तारीख निकलवाई और रविवार को तय तारीख पर लड़की का पूरे गाजे-बाजे के साथ कुआं पूजन किया गया। इस दौरान गढ़वा गांव के लोगों के लिए व रिश्तेदारों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई गांव सहित आसपास के सभी लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना की और सभी ने बच्ची को आशीर्वाद दिया इस अवसर पर आंगनवाड़ी वर्कर सुनीता सूर्रा, हेल्पर, आशा वर्कर आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

पालिका मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन



समाचार गेट/सोनिका सूर्रा

सिवानी मंडी। नगर पालिका चुनाव को लेकर के मंगलवार के दिन मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन कर दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए नगर पालिका के सचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि नगरपालिका चुनाव को लेकर तैयारियां जोर-जोर से जा रही हैं और मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन मंगलवार के दिन किया गया है उन्होंने बताया कि इस सूची पर किसी को भी कोई आपत्ति होगी तो वह एसडीएम सिवानी को अपनी अपील कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 23 दिसंबर तक एसडीएम के समक्ष अपील की जा सकेगी वहीं 23 से 24 27 तक जिला उपयुक्त भिवानी के समक्ष अपील होगी। उन्होंने बताया कि 23 दिसंबर तक एसडीएम के समक्ष अपील की जा सकेगी वहीं 23 से 24 27 तक जिला उपयुक्त भिवानी के समक्ष अपील होगी। उन्होंने बताया कि 6 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया जाएगा। उन्होंने अभी बताया कि सिवानी नगर पालिका के नए परिशीमन के तहत 16 वार्ड बने हैं जिसमें 15355 मतदाता हैं।

यातायात पुलिस द्वारा किया निरीक्षण, स्थान चिन्हित करके लगवाए जाएंगे ट्रैफिक सिग्नल व कैमरे



समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। यातायात पुलिस फरीदाबाद ने NHAI और स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम के अधिकारियों के साथ मिलकर बाईपास रोड का दौरा किया। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा की दृष्टि से बाईपास रोड पर ट्रैफिक सिग्नल व कैमरे लगाने के लिए स्थान चिन्हित करना है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सड़क पर यात्रियों की सुरक्षा अति महत्वपूर्ण है। सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर ने अपनी टीम सहित नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) और स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम के अधिकारियों को साथ लेकर बाईपास रोड का दौरा किया। बाईपास रोड पर सड़क सुरक्षा के मद्देनजर ट्रैफिक सिग्नल व कैमरे लगाए जाने हैं जिसके लिए स्थान चिन्हित किए जाएंगे। बाईपास रोड पर क्रॉसिंग पॉइंट्स और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर ट्रैफिक सिग्नल व कैमरे लगाए जाएंगे। यात्रियों को सुरक्षित यात्रा प्रदान करवाना यातायात पुलिस का प्राथमिक उद्देश्य है जिसके लिए वह लगातार प्रयासरत रहेगी।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक'
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

हर दिन बदलती थी लोकेशन फिर पकड़ी गई नकिता सिंघानिया?

बेंगलुरु। इंजीनियर अतुल सुभाष के आत्महत्या के सनसनीखेज मामले में मुख्य आरोपित पत्नी नकिता सिंघानिया ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हर दिन अपनी लोकेशन बदली थी। वह उसकी तलाश कर रही बेंगलुरु पुलिस के सर्विलांस रडार से दूर रहने के लिए वाट्सएप कॉल ही करती थी। लेकिन उसने गलती से अपने एक रिश्तेदार को अपने फोन से कॉल कर दिया और पुलिस की गिरफ्त में आ गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जब आरोपितों को पता चला कि कर्नाटक पुलिस उनको गिरफ्तार करने आ रही है तो उन्होंने जौनपुर स्थित अपने घर पर ताला लगा दिया। इसके बाद पुलिस ने घर की दीवारों पर नोटिस चिपकाकर उनको तीन दिन के भीतर पेश होने को कहा। लेकिन जैसे ही नकिता ने अपने एक रिश्तेदार को फोन से काल की, पुलिस सतर्क हो गई।

पुलिस ने नकिता से की लंबी पूछताछ

टावर की लोकेशन के आधार पर पुलिस गुरुग्राम पहुंची। नकिता रेल विहार इलाके में एक पीजी में छिपी थी, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस ने उससे संपर्क से पूछताछ की तो उसने अपनी मां और भाई को फोन मिलाया। पुलिस ने उनकी लोकेशन हासिल की और उनको सूत्री से पकड़ लिया। पुलिस ने बेंगलुरु ले जाते समय उनसे नौ घंटे तक पूछताछ की।

मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत दस राज्यों में शीतलहर, 13 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के 13 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी और जम्मू-कश्मीर समेत 10 राज्यों में मंगलवार को कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में 12 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। भोपाल में 53 साल बाद में दिसंबर महीने में सोमवार रात 3.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ज्यादा ठंड रही। इससे पहले 1971 में 3.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। राजस्थान में शेखावाटी के फतेहपुर में पारा माइनस में रहने का अनुमान है। फतेहपुर में सोमवार को न्यूनतम तापमान -1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। बर्फबारी और तापमान गिरने से जम्मू-कश्मीर में शीतलहर जारी है। श्रीनगर में मंगलवार सुबह पारा माइनस 4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जिससे कई जगह फव्वारों में भरा पानी जमने लगा। पेंड-पैथों पर भी ओस जम गई। दिल्ली में दिसंबर में चौथी बार तापमान 5 डिग्री से नीचे गया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में 5वीं तक स्कूल प्रदूषण और ठंड के चलते बंद कर दिए गए हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना में भी तापमान में कमी आ रही है। आंध्र, तमिलनाडु में आज भी बारिश का अलर्ट है।

महाकुंभ 2025 को लेकर रेलवे ने लिया फैसला, जनरल कोच के यात्री फी करंगे यात्रा

नई दिल्ली। महाकुंभ 2025 में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने एक प्रस्ताव रखा है। कुंभ में शामिल होने वाले जनरल कोच के यात्रियों के लिए यात्रा को मुफ्त करने पर विचार किया जा रहा है। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 के बीच प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। रेलवे के मुताबिक इस दौरान रोजाना पांच लाख से ज्यादा यात्री जनरल कोच में सफर करेंगे। रेलवे की योजना है कि कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को प्रयागराज से 200-250 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टिकट खरीदने की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के यात्रियों को दी जाएगी। जो यात्री 250 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करना चाहते हैं, उन्हें ट्रेन में ही टीटीई से टिकट लेना होगा। कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को इस स्थिति में जर्माना नहीं लगेगा। महाकुंभ में भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे 3 हजार विशेष ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें कुंभ के 45 दिनों के दौरान 13 हजार से ज्यादा फेरे लगाएंगी। रेलवे के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य कुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन को आसान बनाना और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का अनुभव कराना है। महाकुंभ 2025 में रेलवे का यह कदम श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा और यात्रा को सुगम बनाएगा।

पारिवारिक मित्र के अंतिम संस्कार में शिरकत करने महाबलेश्वर पहुंचे थे राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाबलेश्वर के निजी दौर पर थे। बात दें कि राहुल गांधी यहां पारिवारिक मित्र के अंतिम संस्कार में शिरकत के लिए गए थे। राहुल गांधी शाम को पुणे पहुंचे, वहां एक होटल में रुके और सुबह मुंबई के मशहूर आंखी की बीमारों के जानकार डॉ. बुजुर्ग पी बानाजी के बेटे रयान बी बानाजी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महाबलेश्वर के लिए रवाना हुए, जिनका पिछले दिनों खेल के मैदान में मौत हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 35 वर्षीय रयान का कुछ दिन पहले निधन हो गया था, जब वह पुर्तगाल के लिस्बन में एक रम्बी टूर्नामेंट खेलने गए थे। इस महीने की शुरुआत में एक खेल के दौरान रयान को दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। रियान का पार्थिव शरीर परिवार के पैतृक शहर महाबलेश्वर पहुंचा। राहुल गांधी रविवार रात को नई दिल्ली से पुणे पहुंचे और वहां से अंतिम संस्कार के लिए महाबलेश्वर पहुंचे। सबसे पहले राहुल गांधी बनजी के घर गए और उनके माता-पिता डॉ. बुजुर्ग और पत्नी जिनल, रयान की विधवा रोशनी दादाचंजी और शोक में डूबे परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नाना पटोले ने पद से इस्तीफा देने की जताई इच्छा, आलाकमान करेगा फैसला

नागपुर। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने अपने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की है और अब पार्टी आलाकमान इस पर फैसला करेगा। पत्रकारों से बातचीत में पटोले ने कहा कि राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल का नेता आज चुना जाएगा। पटोले ने पिछले हफ्ते साफ कर दिया था कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। पटोले ने कहा कि कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी मंगलवार शाम को शहर पहुंचेंगे और राज्य विधानसभा में पार्टी नेता का चुनाव किया जाएगा।

नड्डा का कांग्रेस पर हमला, पाक अधिकृत कश्मीर नेहरु की सबसे बड़ी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान की यात्रा पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यदि हम वेद और पुराने शास्त्रों को देखने पर उनमें सभा, समिति, संसद जैसे शब्दों का प्रयोग हुआ है। यह इस बात को बताता है कि चर्चा, बहस जैसी चीजें हमारी संस्कृति में रही हैं। राज्यसभा में नेता सदन नड्डा ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में हमें अजंता एलोरा, कमल के फूल की छाप मिलती है। कमल का फूल इस बात को प्रतीकित करता है कि हम कीचड़ में से निकल करके आजादी की लड़ाई लड़कर ही सुबह के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यदि पिछले 75 साल की यात्रा पर बात करें तब पता लगता है कि बाबा साहब अंबेडकर कितने दूरदर्शी थे। देश को जोड़ने का काम तब के गृहमंत्री सरदार पटेल को दिया गया। उन्होंने 562 रियासतों को



जोड़ा। एक जम्मू कश्मीर की रियासत का जिम्मा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने लिया था। तब जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 लागू था। इसका नतीजा यह हुआ कि संसद द्वारा पारित किए गए 106 कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। तभी जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रमणा प्रसाद मुखर्जी ने आर्टिकल 370 का विरोध किया था। जनसंघ के नेता मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चल सकते हैं।

उन्होंने बलिदान दिया और श्रीनगर की जेल में संदिग्ध स्थिति में उन्होंने अंतिम सांस ली।

नड्डा ने कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से आए व्यक्ति भारत में प्रधानमंत्री और उप प्रधानमंत्री बने। इसमें मनमोहन सिंह, आर्दे के गुजराल और लाल कृष्ण आडवाणी शामिल थे। लेकिन पीओके से आया हुआ व्यक्ति जम्मू कश्मीर की पंचायत का चुनाव तक नहीं लड़ सकता था, यह आर्टिकल 370 की देन थी। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 को

आर्टिकल 370 को इतिहास बना दिया गया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ कि उनकी सूझबूझ के कारण आज जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। नड्डा ने कहा कि अगले वर्ष 25 जून 2025 को आपातकाल लगाने के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इस दिन को लोकतंत्र विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कांग्रेस यदि आपातकाल को गलत मानती है तब कांग्रेस भी इसमें शामिल हो, इस बात का हम आह्वान करते हैं।

विपक्ष पर हमलावर नड्डा ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर आपका गलत मानती है तब कांग्रेस भी इसमें भारत की 38,000 वर्ग किलोमीटर भारत भूमि कब्जा कर ली, क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने रक्षा तैयारियों की अनदेखी की थी।

जॉर्जिया में जहरीली गैस से 11 भारतीयों की दर्दनाक मौत, बेडरूम में मिली सभी की लाश



*** शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के सबूत नहीं मिले**

नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 11 भारतीय नागरिक की मौत हो गई। इसकी जानकारी भारतीय मिशन ने दी। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के संकेत नहीं मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड से हुई है। भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मिशन ने कहा कि मारे गए भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और मामले में हरसंभव सहायता दी जाएगी।

इससे पहले भारतीय मिशन ने कहा था कि सभी 12 मृतक भारतीय नागरिक थे। सभी मृतक उक्त भारतीय रेस्तरां में बतौर कर्मचारी काम कर रहे थे और उनके शव दूसरी मंजिल पर शयन कक्षों में पाए गए। सूत्रों ने बताया कि जान गंवाने वाले लोग उत्तर भारत से ताड़कू रखते थे। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि मृतकों में 11 विदेशी हैं जबकि एक जॉर्जियाई नागरिक है।

पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह लापरवाही से चुड़ी मौत का मामला है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक शयन कक्षों के पास एक बंद स्थान में विद्युत जनरेटर रखा गया था, जिसे संभवतः शुक्रवार रात विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद चालू किया गया था। इसने बताया कि मृतकों के सही कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक जांच भी की जा रही है।

संभल पर राजा भैया की दो टूक: बोले पत्थर मारने से फैसले नहीं पलटते

लखनऊ (एजेंसी)। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान प्रशासन पर पत्थरबाजी और हमले के बाद भड़की हिंसा पर यूपी विधानसभा में भी चर्चा कराने की मांग उठ रही है। इस मौके पर जनसत्ता दल के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सपा के सदस्यों पर ही सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संभल पर जो विपक्ष के नेताओं ने दलील दी है, वह गले उतरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पत्थरबाजी गलत थी और उसी के कारण हिंसा भड़की। संभल हालात बिगड़ने की वजह सर्वे नहीं था बल्कि प्रशासन पर हमला था।

राजा भैया ने कहा कि यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जो सर्वे हुआ है, वह न्यायालय के आदेश पर था। मैं यह पूछना चाहता हूँ कि क्या पत्थर चलाने से अदालत का निर्णय



बदल जाता है। इसका तरीका यही है कि आप ऊपरी अदालत में जाएं और वहां फैसले को चुनौती दें। लेकिन प्रशासन पर पत्थर मारे गए और पुलिसकर्मी घायल हुए। यहां किसी ने भी पुलिस वालों के बारे में एक शब्द नहीं कहा। यह ठीक उसी तरह था, जैसे

विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत को लुट बताने पर भी राजा भैया बोले। उन्होंने कहा कि इनका कहना था कि कुंदरकी में 65 फीसदी मुसलमान थे और यदि तब भी रामबीर सिंह जीते हैं तो यह मतों की लुट थी। अब यदि इसी बात को पूछ लें कि क्या जहां 65 फीसदी हिंदू हैं, वहां मुसलमान को जीतना नहीं चाहिए। क्या यह धरती का आश्चर्य है कि यदि 65 फीसदी मुसलमान है तो फिर हिंदू कैसे जीत गया। उन्होंने कहा कि जीते हुए मेंबर को लुटेरा कहना आपत्तिजनक है। क्या यह तय मान लिया जाए कि जहां हिंदू अधिक हैं, वहां हिंदू ही जीतना चाहिए?

क्या जहां हिंदू ज्यादा हैं, वहां मुसलमान नहीं जीतना चाहिए?

पीएम मोदी के पोस्ट से तिलमिलाया बांग्लादेश, भूल गया एहसान - 1971 का दर्द भूलकर अत्याचार करने वालों के साथ हो गया खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में चारों तरफ हिंसा का माहौल है। वह भारत से भीएम नरेंद्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर की पोस्ट से बांग्लादेश तिलमिला उठ रहा है। बांग्लादेशी विधि सलाहकार आसिफ नजरूल ने पीएम मोदी की पोस्ट पर आपत्ति जताई है और कहा मैं पीएम मोदी की पोस्ट का कड़ा विरोध करता हूँ। 16 दिसंबर, 1971 बांग्लादेश का विजय दिवस था। भारत इस विजय में सहयोगी था, इससे ज्यादा कुछ नहीं। बता दें भारत ने बांग्लादेश की आजादी में मदद की थी। यह बात सब जानते हैं लेकिन अब नया बांग्लादेश इन



बातों को भूल गया है और जिस देश ने उसपर

अत्याचार किए थे उसके साथ खड़ा हो गया

है। बता दें पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा था- आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं, जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया था। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंकित रहेगा।

मंत्रिमंडल में जगहन न मिलने से नाराज हुए छगन भुजबल, बड़े कदम की आहट

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में एनसीपी नेता छगन भुजबल को मंत्रिमंडल में जगहन न मिलने के बाद सियासी हलचल है। भुजबल ने अपनी नाराजगी खुले तौर पर जाहिर कर कहा, 'जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना। नागपुर सत्र छोड़कर भुजबल नासिक लौट गए, जहां उन्होंने अपने समर्थकों और समता परिषद के नेताओं से विचार-विमर्श की बात की। भुजबल का कहना है कि जब वे राज्यसभा जाना चाहते थे, तब पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया और अब विधानसभा का सदस्य होने के बावजूद राज्यसभा सीट की पेशकश करना ठीक नहीं। भुजबल ने कहा कि यह उनके क्षेत्र के मतदाताओं के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने उन्हें जीतकर विधानसभा भेजा है।

राज्य में ओबीसी राजनीति के बड़े नेता

वे पहले भी नाराजगी जता चुके हैं। भुजबल के इस रुख के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वह जल्द ही कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि भुजबल अंततः राज्यसभा पर राजी हो जाएंगे। दूसरी ओर, उनके समर्थक लगातार यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर भुजबल जैसे अनुभवी नेता को क्यों दरकिनार किया जा रहा है?

भुजबल की नाराजगी के चलते महायुति के भीतर समीकरण बिगड़ने की आहट मंशुका है। ओबीसी समाज में उनकी पकड़ मजबूत है और उनके अगले कदम से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उलटपेहर हो सकता है। भुजबल ने राज्य के ओबीसी समाज के लिए काम करने वाली समता परिषद की बैठक बुलाई है, जहां उनके अगले कदम पर चर्चा की जाएगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा के फिलिस्तीन लिखे बौग की पाकिस्तान में जमकर तारीफ हो रही है। पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने प्रियंका गांधी की तारीफ की है। उन्होंने यह तक कह दिया कि इतना हिम्मत पाकिस्तान की संसद में कोई नहीं दिखा सका। चौधरी ने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जवाहरलाल नेहरु की पोती से और क्या उम्मीद कर सकते हैं? प्रियंका गांधी ने बौनों के बीच में अपना ऊंचा कद दिखाया है। शर्म की बात है कि अब तक किसी भी पाकिस्तानी सांसद ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई। धन्यवाद।

खास बात है कि नई दिल्ली में फिलिस्तीन दूतावास प्रमुख आबिद अलरजक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते

प्रियंका के फिलिस्तीन वाले बैग की पाकिस्तान में जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा के फिलिस्तीन लिखे बौग की पाकिस्तान में जमकर तारीफ हो रही है। पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने प्रियंका गांधी की तारीफ की है। उन्होंने यह तक कह दिया कि इतना हिम्मत पाकिस्तान की संसद में कोई नहीं दिखा सका। चौधरी ने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जवाहरलाल नेहरु की पोती से और क्या उम्मीद कर सकते हैं? प्रियंका गांधी ने बौनों के बीच में अपना ऊंचा कद दिखाया है। शर्म की बात है कि अब तक किसी भी पाकिस्तानी सांसद ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई। धन्यवाद।

खास बात है कि नई दिल्ली में फिलिस्तीन दूतावास प्रमुख आबिद अलरजक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते



प्रियंका गांधी से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

मेरा राजनीतिक करियर गांधी परिवार से शुरू हुआ और उन्हीं के द्वारा खत्म भी

-मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब में किया जीवन से जुड़ी बातों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने एक किताब लिखी है। जिसमें उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन से जुड़ी बातों का जिक्र किया है। अपनी आगामी किताब ए मैमोरिक इन पॉलिटिक्स पर मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मेरे राजनीतिक करियर की शुरुआत गांधी परिवार से हुई और खात्मा भी उन्हीं के द्वारा हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले दस सालों से सौनिया गांधी से उनकी मुलाकात नहीं हुई है। राहुल गांधी से मिलने का मौका नहीं मिला और प्रियंका गांधी से फोन पर बातचीत होती है।

अय्यर ने एक साक्षात्कार में कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के साथ अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक अनुभव शेयर किए। उनकी किताब

ए मैमोरिक इन पॉलिटिक्स में अय्यर ने बताया कि दस साल में एक बार भी निजी तौर पर सौनिया गांधी से मिलने का मौका नहीं मिला, जबकि राहुल गांधी से सिर्फ एक बार ही मिले हैं। अपनी किताब में अय्यर ने नरसिम्हा एच के समय, यूपीए-1 में मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल और उसके बाद के पतन का जिक्र भी किया है। उन्होंने खासतौर से यूपीए-2 के पतन की यादें किताब में लिखी हैं।

अय्यर ने 2014 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी के खराब प्रदर्शन का भी जिक्र किया और कहा कि यह एक नुकसानदेह कदम था। 1984 में 404 सीटों से 2014 में 44 सीटों पर गिरने तक कांग्रेस का प्रदर्शन

निराशाजनक रहा। उन्होंने माना कि अगर 2012 में प्रणव मुखर्जी को पीएम बनाया गया होता, तो 2014 की हार शायद इतनी शर्मनाक नहीं होती। उन्होंने अंदेश जताया कि मनमोहन सिंह की जगह पर राष्ट्रपति का पदभार संभालने से प्रणव मुखर्जी की ऊर्जा और करिश्माई नेतृत्व कांग्रेस पार्टी और सरकार दोनों के लिए सकारात्मक साबित हो सकता था।

उन्होंने बताया कि 2013 में कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ कई आरोप लगे, जो कभी कानूनी रूप से साबित नहीं हो सके। अय्यर ने कहा कि सरकार और पार्टी मीडिया के सवालों का सही ढंग से जवाब देने में सक्षम नहीं रही, जिससे विपक्ष के आरोपों ने उनके भरोसे पर

चोट की है। कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला और अत्रा हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेस्ट करप्शन आंदोलन ने सरकार के चुनावी संभावनाओं पर संकट ला खड़ा किया था। उनका मानना है कि इन सभी घटनाओं ने पार्टी की सार्वजनिक छवि को धूमिल कर दिया और 2014 में चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने गांधी परिवार द्वारा अपने राजनीतिक करियर के खात्मे का जिक्र करते हुए कहा कि मैं मानता हूँ कि ऐसा ही होता है... मुझे पार्टी से बाहर रहने की आदत हो गई है। मैं अब भी पार्टी का सदस्य हूँ। मैं कभी भी इसमें बदलाव नहीं करूंगा और मैं निश्चित रूप से बीजेपी में नहीं जाऊंगा।



डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने वीवो के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की

- भारत में बढ़ सकती है कंपनी की हिस्सेदारी

मुंबई।

डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने चीनी मोबाइल फोन विनिर्माता वीवो के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की है, जिसमें डिक्सन वीवो के लिए और अन्य निर्माताओं के लिए भी फोन बना सकता है। इस संयुक्त उद्यम से होम इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग सर्विस कंपनी (ईएमएस) को देश के मोबाइल फोन असेंबली बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी हासिल हो सकती है। डिक्सन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह सौदा डिक्सन को 22-23

फीसदी की हिस्सेदारी मिलने में मदद करेगा और वीवो को स्मार्टफोन और फीचर फोन बाजार में भी 20 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल हो सकती है। डिक्सन की सालाना स्मार्टफोन उत्पादन क्षमता है और कंपनी इस वर्ष लगभग 3 करोड़ फोन असेंबल कर रही है। दूसरी ओर वीवो जो हर साल लगभग 3 करोड़ स्मार्टफोन बेचती है, कुछ प्रतिशत माइक्रोमेक्स से लाती है, शेष खुद असेंबल करती है। वीवो ने ग्रेटर नोएडा में कारखाना बनाया है, और वहां सालाना 12 करोड़ फोन बनाएगी। विशेषज्ञों ने



कहा है कि यदि वीवो पूरी जिम्मेदारी इस सझेदारी को देती है तो डिक्सन की स्मार्टफोन उत्पादन योग्यता हो सकता है और सालाना 6 करोड़ हो सकता है। इस मुद्दे पर अभी चर्चा जारी है।

इतिहास के सबसे बड़े घाटे की ओर बढ़ रहा अमेरिका

दो महीने में 624 अरब डॉलर पहुंच चुका है सरकार का घाटा

वाशिंगटन।

अमेरिका की इतनी बड़ी इकॉनमी के बारे में एक चिंताजनक समाचार सामने आ रहा है। देश के राजकोषीय घाटे की तेजी से बढ़ती हुई रकम देश के भविष्य की चिंता बढ़ा रही है। फिस्कल ईयर के पहले दो महीनों में ही यह घाटा 624 अरब डॉलर पहुंच चुका है, जो पिछले साल की तुलना में 64 फीसदी अधिक है। अमेरिका की फेडरल सरकार द्वारा किए गए खर्चों की रकम बढ़ती जा रही है, जबकि उसका टैक्स रेवेन्यू कम हो रहा है। नवंबर में सरकार ने 669 अरब

डॉलर खर्च किए, जबकि रेवेन्यू कलेक्शन 380 अरब डॉलर रहा। इससे साफ है कि देश का कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। फेडरल सरकार के पास घरेलू और बाहरी कर्ज की बढ़ी रकम है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस दौरान अमेरिका की विदेशी कर्ज की रकम भी अनुपातिक रूप से बढ़ रही है। अमेरिका के इतिहास में ऐसी स्थिति पहली बार हो रही है, और इससे देश के भविष्य पर चिंता की बातें उठ रही हैं। प्रशासन द्वारा लिए गए कदमों के परिणाम और मोड़ने वाली चक्रवाट देश की



सामग्री और आत्मविश्वास को भी खतरे में डाल रही है।

भारत में सुरक्षा संबंधी चुनौतियां एआई अपनाने में बड़ी बाधा: रिपोर्ट

- एआई के इस्तेमाल के लिए एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर दिया गया जोर

नई दिल्ली।

भारत में 92 प्रतिशत कार्यकारी अधिकारी कृत्रिम मेधा (एआई) अपनाने में सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को सबसे बड़ा अवरोध मानते हैं। उन्हें लगता है कि विश्वास को बढ़ावा देने और जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत ढांचे की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार 13 बाजारों में 900 वरिष्ठ अधिकारियों के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि भारतीय अधिकारियों की अधिकतर चिंता कृत्रिम

इंटेलिजेंस की सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से है। रिपोर्ट में उच्च उल्साह के बावजूद भारतीय अधिकारियों को अभी भी एआई का व्यापक उपयोग करने में कठिनाई महसूस होती है। उन्हें डेटा के सुरक्षा खतरों और नैतिकता से संबंधित चिंताएं हैं। इससे सामने आया कि आधे से अधिक प्रौद्योगिकी अधिकारी इसे सरल चालित करने के लिए तैयार नहीं मानते। एआई के इस्तेमाल के लिए एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर रिपोर्ट ने जोर दिया। इसके लिए

तकनीकी सहयोग और कौशल उन्नयन की आवश्यकता है। विश्वास बढ़ाने और जोखिम कम करने के लिए अधिक नैतिकता और ताकतवर ढांचे को महत्व दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट ने भारतीय संगठनों को एआई की एकीकृत क्रियान्वयन में सक्षम बनाने की सलाह दी है ताकि इसे स्थायी रूप से अपनाया जा सके। व्यवसाय को विश्वास दिलाकर जोखिम को कम करने के लिए एआई की क्षमताओं का उपयोग विशेष महत्व है।

ताइवान की लैपटॉप कंपनी चेन्नई संयंत्र के साथ भारत में विनिर्माण करेगी शुरू

एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के विनिर्मित संस्करण पेश करेगी

नई दिल्ली। ताइवान की लैपटॉप

विनिर्माता कंपनी एमएसआई भारत में अपना विनिर्माण परिचालन शुरू कर रही है। इसके अनुसार एमएसआई भारत में अपनी दो लैपटॉप मॉडल एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के स्थानीय रूप से विनिर्मित संस्करण पेश करेगी। इन लैपटॉप की कीमत क्रमशः 73,990 रुपये और 52,990 रुपये से शुरू होगी। एमएसआई ने अपने बयान में कहा कि भारत एमएसआई के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और ब्रांड अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की मांग बढ़ रही है और इसलिए उन्होंने वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले स्थानीय रूप से विनिर्मित उपकरणों की पेशकश करने का निर्णय लिया है। एमएसआई इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत की महत्वपूर्णता को मानते हुए इस नए पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत हुए समय से एमएसआई के लिए एक प्रमुख केंद्र रहा है और उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए हम विनिर्माण की प्रक्रिया भारत में शुरू कर रहे हैं। एमएसआई की इस पहल से भारतीय प्रौद्योगिकी सेक्टर में नई ऊर्जा और उत्साह भरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और लोगों के लिए एक नया विकल्प उपलब्ध होगा।



शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स 1064 अंक गिरा, निफ्टी 332 अंक नीचे आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट रही। साप्ताहिक के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से भी बाजार टूटा है। दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर में गिरावट से भी भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले ब्याज दरों में कटौती की संभावना को देखते हुए भी सतर्क रुख अपनाते दिखे। इससे भी बाजार में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 1.30 फीसदी तकरीबन 1064.12 अंक की

बड़ी गिरावट के साथ ही 80,684.45 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.35 अंक तकरीबन 332.25 अंक की गिरावट के साथ ही 24,336.00 पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 48 के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

सेंसेक्स की सभी कंपनियों के शेयर मंगलवार को गिरावट में बंद हुए। भारती एयरटेल का शेयर सबसे ज्यादा 2.83 फीसदी गिरा। इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी बैंक, एलएडटी, बजाज फिनसर्व, अल्ट्रा सीमेंट के शेयरों में अधिकतर गिरावट रही।

वित्तीय और उर्जा शेयरों में भारी बिकवाली की वजह से भी शेयर बाजार नीचे आया। साथ ही निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व



की 18 दिसंबर की बैठक से पहले ब्याज दरों में कटौती के संकेतों को लेकर सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसकी वजह भी बाजार में आज बिकवाली देखने को मिल रही है। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह भी बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर खुला जबकि निफ्टी 24,600 से नीचे आ गया। खुलने के बाद बाजार में गिरावट बढ़ गई। सेंसेक्स 800

बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

बिहार बिजनेस कलेक्ट पटना में 19-20 दिसंबर को

पटना। बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने का ऐलान किया। राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 58वीं बैठक में 52 इकाइयों के 28,881.55 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। 35 इकाइयों के 609.26 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। बोर्ड में शामिल उद्योग सचिव और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा सरकार ने राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं। हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण निवेश बैठक और उद्यमी पंचायत का आयोजन किया गया। उद्यमी योजनाओं के लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त की राशि का वितरण भी किया गया। इसी दिशा में राज्य सरकार ने बिहार बिजनेस कनेक्ट की घोषणा की है, जो 19-20 दिसंबर को पटना में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में निवेशकों को राज्य के उद्योग विकास प्रस्तावों के बारे में जानकारी और व्यापारिक संपर्क साधने का मौका मिलेगा। बिहार में निवेश को बढ़ावा देने के इस प्राथमिक सं राज्य के औद्योगिक विकास को सुनिश्चाना और नौजवानों को रोजगार के नए अवसरों की साधना होगी।

नवंबर में व्यापार घाटा रिकॉर्ड 37.8 अरब डॉलर पर

- सोने के आयात में 4.3 गुना उछाल



मुंबई।

व्यापार घाटा आयात खास तौर पर सोने का आयात 4.3 गुना बढ़ने से नवंबर में बढ़कर 37.8 अरब डॉलर की उंचाई पर पहुंच गया। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में आयात 27 फीसदी बढ़कर तकरीबन 70 अरब डॉलर रहा। दूसरी ओर निर्यात 4.8 फीसदी घटकर 25 महीने में सबसे कम 32.1 अरब डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में शानदार 17 फीसदी की वृद्धि देखी गई थी, जिसके बाद नवंबर में निर्यात घटा है। अधिकारियों के अनुसार क्रिसमस से पहले पश्चिमी देशों में माल का स्टॉक बढ़ाने के लिए अक्टूबर में निर्यात मांग बढ़ी थी। वाणिज्य और धिकारी ने कहा कि नवंबर में पेट्रोलियम की कीमतों में नरमी से निर्यात पर असर पड़ा है। मगर अच्छी बात यह रही कि गैर-पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करीब 8 फीसदी बढ़ा है, जो दर्शाता है कि मांग पर असर नहीं पड़ा है। क्रिसमस मांग को लेकर

निर्यात बढ़ रहा है जिसका अर्थ है कि गैर-पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में निरंतर तेजी बनी हुई है। नवंबर में पेट्रोलियम निर्यात 49.6 फीसदी घटकर 3.7 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा रण एवं आभूषण का निर्यात 26 फीसदी घटकर 2.06 अरब डॉलर रहा। निर्यात को बढ़ाने में इंजीनियरिंग वस्तुओं (13.7 फीसदी) और धातु और फार्मास्यूटिकल्स उत्पाद (1.1 फीसदी), इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं (54.7 फीसदी) और रॉडमेटेड परिधान (9.8 फीसदी) का अहम योगदान रहा। आंकड़ों के अनुसार नवंबर महीने में 14.9 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया गया जो कुल वस्तु आयात का करीब 20 फीसदी है। वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सोने की कीमतों में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जिसे देखते हुए सोने का आयात बढ़ा है। आने वाले महीनों में सोने के आयात में इतनी तेजी रहने की संभावना नहीं है, जिससे आगे चलकर व्यापार घाटा भी कम होगा।

बीएन समूह खाद्य तेल कारोबार बढ़ाने अफ्रीका में करेगा निवेश

कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल में अफ्रीकी बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाना

नई दिल्ली। खाद्य तेल बनाने वाले बीएन समूह ने अफ्रीका में निवेश करने की घोषणा की है। इस निवेश का आकार है एक अरब अमेरिकी डॉलर, जो करीब 8,000 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी के मुख्य लक्ष्य है अगले पांच साल में चरणबद्ध तरीके से अफ्रीकी बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाना। बीएन समूह का यह निर्णय उसकी संयुक्त उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए है और तीन नई विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और ताड़ के बागानों में निवेश में आधारित है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्तार की यह योजना उनके विश्वसनीय व्यापारिक मिशन का हिस्सा है, जो अफ्रीकी बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उनके मूल्य-संचालित व्यवसायों को मजबूती देगा। बीएन समूह का यह अफ्रीका में निवेश करने का कदम उनके दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं के क्षेत्र में उनकी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में है। इससे संभावना है कि बीएन समूह अपनी व्यापक व्यापारिक क्षमता को और भी सुदृढ़ बनाएगा और वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण खाद्य तेल उत्पादक बनेगा।

वरिष्ठ नागरिक के खाते में जमा नहीं हुए 12 लाख रुपये के शेयर, शिकायत सेबी से

नीमच। मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ नागरिक के 12 लाख रुपये की कीमत के शेयर 40 दिन बाद भी खाते में जमा नहीं हुए हैं। जबकि इन शेयर का एक दिन बाद ही खाते में जमा हो जाना अपेक्षित था। इस मामले की शिकायत भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) से की गई है। नीमच जिले के निवासी जिनेंद्र सुराणा के करीब 12 लाख रुपए मूल्य के शेयर खुद के डीमैट अकाउंट में चालीस दिन बीतने के बाद भी क्रेडिट (जमा) नहीं हुए हैं। सुराणा के मुताबिक बीतने नवंबर 2024 को भेल के 2066, टाटा पावर के 1100 कुल 12 लाख रुपये के शेयर खरीदे थे जो कि अगले ही दिन सुराणा के डीमैट अकाउंट में जमा होने थे परंतु तय समय अवधि बीतने के बाद भी उनके खाते में यह शेयर जमा नहीं हुए, तब सुराणा ने स्वस्तिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से पूछाछ की। उन्होंने जिसके जरिए यह शेयर खरीदे थे वहां से बताया गया कि किसी तकनीकी सुधार प्रक्रिया के कारण यह गड़बड़ी हुई है लेकिन एक माह से अधिक का समय बीतने के बावजूद खरीदे हुए शेयर उनके डीमैट अकाउंट में क्रेडिट नहीं हुए। इसके बाद बुजुर्ग नागरिक ने इसकी शिकायत ऑनलाइन भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) से की है। उसके बावजूद भी अभी तक खाते में शेयर जमा नहीं हुए हैं। सुराणा ने बताया है कि उनके द्वारा पूनावाला के 2100 एंजेंट के 84 शेयर खरीदे गए थे, जो उनके खाते में मंगलवार को जमा हुए हैं, जबकि दो कंपनियों के शेयर अब तक जमा नहीं हुए हैं।

मरम्मत लागत की पूरी वसूली कर पाने में डीएमआरसी नाकाम: कैंग रिपोर्ट

- करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका

नई दिल्ली। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैंग) ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के मरम्मत लागत एवं अन्य आकस्मिक खर्चों पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें खुलासा हुआ कि करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका। इसमें नाकामी के खिलाफ चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार डीएमआरसी ने अनुरूप निर्माण गुणवत्ता और अवधि की खामियों को दूर करने के लिए ठेकेदार से 11.85 करोड़ रुपये की मरम्मत की कार्यवाही करावाई। इसके अलावा आवंटियों को वैकल्पिक आवास में स्थानांतरित कराने और कई अन्य खर्चों के कारण 7.81 करोड़ रुपये की अतिरिक्त खर्च उठाए गए हैं। कुल मिलाकर डीएमआरसी ने विभिन्न कारणों से 19.66 करोड़ रुपये का खर्च किया, जो कैंग के मुताबिक काम की खराब गुणवत्ता की भरपाई के लिए है। वहीं पर कार्यान्वयन से जुड़ी सुलभ प्रक्रिया में भी किसी के साथ ठीक से समझौता नहीं किया गया है, जिससे कलेक्ट किए गए 4.12 करोड़ रुपये में से केवल एक भाग ही वसूल पाया गया। कैंग की रिपोर्ट ने डीएमआरसी को मरम्मत कार्य में पाए गए खामियों की जांच करने की सलाह दी है और भविष्य में इस तरह की गलतियों को रोकने के लिए कठोर कार्रवाई की आवश्यकता को जताया है।

भारत, न्यूजीलैंड ने व्यापार बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

- दोनों देशों के बीच का व्यापार 2023-24 में 87.34 करोड़ डॉलर था

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार के बढ़ावे की दिशा में समझौते पर हुई चर्चा में दोनों देशों की मंत्रियों ने व्यापार और निवेश समेत अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के विचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस चर्चा में सहयोग और व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने की चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2023-24 में 87.34 करोड़ डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में कम था। समझौते को लेकर 2013 से बातचीत रुकी हुई थी, लेकिन इस चर्चा से उम्मीद है कि दोनों देश व्यापार समझौते को फिर से सकारात्मक दिशा में ले जाएंगे। इस चर्चा से साझेदारी को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। दोनों देशों के बीच सहयोग और व्यापार के क्षेत्र में नई उम्मीद और संभावनाएं खुली हैं।



गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू

- तया अडानी तोड़ेंगे मुकेश अंबानी का रिकॉर्ड?

मुंबई।

देश के उद्योगपति गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू हो चुकी है। जीत अडानी की सगाई इस साल मार्च में सूरत के हीरा कारोबारी जैमिन शाह की बेटी दीवा शाह से हुई थी। अब उनकी प्री-वेडिंग फंक्शन को लेकर तैयारियां जोंग पर हैं। उदयपुर के तीन शानदार और फ़व्व-स्टार होटल - ताज लेक पैलेस, लीला पैलेस, और उदय विलास पैलेस - बुक किए गए हैं जिसमें करीब 300 से अधिक मेहमान शामिल होंगे। अडानी परिवार अपनी प्राइवेट लाइफ को मीडिया और सोशल मीडिया से दूर रखता है, इसलिए



की तरह अडानी परिवार भी अपने छोटे बेटे की शादी को भव्य बना रहा है। इस समारोह से जुड़े लोग करीबी हैं और उनके बीच शादीशुदा होंगे। अडानी परिवार की आयोजनों में सादगी और मिट्टी की खुशबू बनी रहती है। अंबानी परिवार के रिकॉर्ड आयोजनों को भी छूने की खातिर उदयपुर के इस सबसे महंगे कोहिनूर सुइट का प्रतिदिन किराया लगभग 10 लाख रुपये है। इस देश के अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के बच्चों की शादियों

आयोजन का महत्व उच्च है। जीत अडानी की शादी देश की दिग्गज उद्योगपति के परिवार के लिए नया इतिहास बना सकती है।

बुमराह और आकाश दीप ने फॉलोऑन टाला

—ऑस्ट्रेलिया के 445 रनों के जवाब में भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये 252 रन

—राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाये

ब्रिस्बेन (एजेंसी) भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 252 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम वमशिकल फॉलोऑन से बच सकी है। आज चौथे दिन केएल राहुल 84 और रविन्द्र जडेजा 77 को छोड़कर टीम के प्रमुख बल्लेबाज विफल रहे। अंत में जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप सिंह ने 39 रन की साझेदारी कर

भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचाया। भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचने के लिए 246 रनों की जरूरत थी।

आज सुबह तीसरे दिन के 4 विकेट 51 रन के से आगे खेलते हुए भारतीय टीम को राहुल और कप्तान रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाने का प्रयास किया। रोहित एक बार फिर असफल रहे और 10 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। रोहित के आउट होने के समय तक भारतीय टीम को का स्कोर 74 रन था। इस प्रकार आधी टीम 74 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद टीम को फॉलोऑन से बचाने के लिए राहुल के अलावा जडेजा ने भी अर्धशतक लगाकर अहम भूमिका निभाई। इन दोनों ने 67 रन की साझेदारी कर टीम को 141 रन तक पहुंचाया। तभी राहुल आउट

हुए। नीतीश कुमार रेड्डी ने 16 रन बनाकर टीम को 194 रन तक पहुंचाया। अंत में बुमराह और आकाशदीप ने जरूरी 33 रन बनाकर पारी को फॉलोऑन से बचाया।

भारत ने एक समय 7 विकेट पर 194 रन ही बनाये थे। उस समय जडेजा और नीतीश क्रीज पर थे पर तभी ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से 3 विकेट लेकर भारतीय टीम के 9 विकेट 213 रनों पर ही गिरा दिये। ऐसे में बुमराह और आकाश दीप की जोड़ी ने किसी प्रकार टीम को संभालकर फॉलोऑन बचाने के लिए जरूरी रन बनाये। बुमराह और आकाश दीप ने मिलकर 39 रन बनाए। इससे टीम का स्कोर 9 विकेट पर 252 रन हो गया। इसी स्कोर पर दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया।



आकाशदीप और बुमराह ने भारत को फॉलोऑन से बचाया, गंभीर-कोहली खुशी से झूमे



गाबा (एजेंसी) भारत भले ही इस टेस्ट मैच को न जीत पाए, लेकिन मंगलवार को ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन टीम ने जो हासिल किया, उसके बाद वे विजेता से कम नहीं हैं। चौथे दिन सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या भारत (51/4 स्कोर) फॉलोऑन से बच पाएगा। यह अधिकांश समय असंभव लग रहा था, क्योंकि उनके पास कोई संभावना नहीं दिख रही थी। जब उन्होंने 213 रन पर अपना नौवां विकेट खो दिया तब भी 33 रन पीछे थे। लेकिन जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप के जबरदस्त प्रयास ने भारत को 246 रन के आंकड़े को पार करने में मदद की। इसके बाद गौतम गंभीर और विराट कोहली की शुष्की का कोई ठिकाना नहीं रहा।

बुमराह की बल्लेबाजी की योग्यता पर एक रिपोर्टर द्वारा सवाल उठाए जाने के कुछ घंटों बाद करार जवाब मिला, भारत के तेज गेंदबाज ने अपनी टिप्पणी को सही ठहराया और 27 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि सबसे बड़ा आश्चर्य उनके जोड़ीदार आकाश दीप से हुआ जिन्होंने 54 गेंदों पर 39 रनों की नाबाद साझेदारी में अधिकांश रन (31 गेंदों पर 27 रन) बनाए, जिससे भारत स्टंप्स तक 252/9 पर पहुंच गया। खेल में केवल तीन सत्र शेष हैं और बुधवार को बारिश की आशंका है, भारत मैचबलन में 99.9 प्रतिशत जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के साथ 1-1 की बराबरी पर है।

30 से अधिक रनों की जरूरत के साथ संभावना कम थी। जब तक बुमराह ने चैट कमिंस की गेंद पर छक्का लगाकर दर्शकों को उत्साहित नहीं कर दिया। आकाश और बुमराह ने खूब डबल्स बटोरे और शानदार तरीके से जसप्रीत से बचाए। एक ओवर बाद जब चार रन बचे थे, आकाश ने रिलेफ कॉर्डन के ऊपर से कमिंस को चौका लगाया जिससे भारतीय ड्रेसिंग रूम में उत्साह का माहौल बन गया। हेड कोच गौतम गंभीर तब तक शांत रहे और जैसे ही फॉलोऑन की लक्ष्य रेखा को भारत ने पार किया तो उन्होंने जोरदार जश्न मनाया। विराट कोहली ने हमेशा की तरह आक्रामक हाई-फाइव के साथ उनका साथ दिया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आकाश ने कमिंस की गेंद को लॉग इन पर डीप ओवर में खेलकर भारत के फॉलोऑन से बचने का जश्न मनाया जिससे कोहली ने लाभग एक फैनबॉय की तरह देखा और अपनी आंखें चौड़ी करके इसे मसाला। अगली गेंद डॉट होने के बाद खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद दिन का अंत हुआ। पर्थ में जीत के बाद पहली बार भारत ने धैर्य दिखाया है और उम्मीद है कि कुछ कुछ भी हो, वे इसे जारी रखेंगे। भारत अभी भी 193 रन से पीछे है। निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलिया 26 दिसंबर से शुरू होने वाली बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए खुद को कुछ अभ्यास देने के लिए बल्लेबाजी करेगा।

सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स आज से, विराग और अनमोल खिताब बरकरार रखने उतरेंगे



बेंगलुरु (एजेंसी)। पुरुष एकल चैंपियन चिराग सेन और महिला एकल विजेता अनमोल खरब 18 दिसंबर से बेंगलुरु में खेली जाने वाली सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में अपना खिताब बरकरार रखने उतरेंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत इंटर-जोनल टीम स्पर्धाओं से होगी, जबकि व्यक्तिगत टीम स्पर्धा 20 दिसंबर से शुरू होगी। इसमें मौजूदा चैंपियन अपने-अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

वहीं इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप घरेलू सर्किट का शीर्ष है और हमारे घरेलू सर्किट में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए, बेंगलुरु में बैडमिंटन प्रशंसकों को अगले सात दिनों में उच्च गुणवत्ता वाले मैच देखने को मिलेंगे और हम युवा खिलाड़ियों के बीच से कुछ नए स्टार खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं। यह साल का अंतिम बड़ा टूर्नामेंट होगा। साल 2006-07 में चेतन आनंद द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने के बाद से कोई भी पुरुष एकल खिलाड़ी

खिताब बरकरार नहीं रख पाया है। वहीं महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साधना नेहवाल (2006-07 और 2017-18) की इसी अवधि के दौरान लगातार खिताब जीतने वाली एकमात्र महिला एकल खिलाड़ी रही हैं। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्य सेन को दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु राजावत, दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज, पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट एम. थारुन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रणय शेट्टीगर की अगुआई वाली युवा ब्रिगेड से कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

दूसरी ओर महिला वर्ग में, पिछले संस्करण की फाइनलिस्ट तन्वी शर्मा, अनुभवी मालविका बंसोड, आर्कषि कश्यप, उज्जित हुड्डा, पूर्व चैंपियन अनुपमा उपध्याय और उमरती हुड्डा रक्षिता श्री अनमोल के लिए कड़ी चुनौती पेश कर सकती हैं। मिश्रित युगल चैंपियन ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो, और महिला युगल में श्रुति मिश्रा और प्रिया देवी कोजेंगाम भी अपने खिताब का बचाव करना चाहेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन से फायदा, मंधाना वनडे और टी20 रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी ताजा महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए। मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छटांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2-1 से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

पर्थ में 50 रन बनाते वाली एश्लेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर हैं।



उन्होंने भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। वह ऑलराउंडर डिब्रिज़ा डॉटन भारत की चौथे से दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप दो स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की चार्ली डीन (दो स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर), नेट रिक्वर ब्रट (एक स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और लौरन बेल (चार स्थान के फायदे से 21वें स्थान पर) की तिकड़ी को भी फायदा हुआ है। दूसरी तरफ टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में हरमनप्रीत की शीर्ष 10

में वापसी हुई है। जेमिमा वेस्टइंडीज के खिलाफ 73 रन की पारी खेलकर छह स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं जबकि टिटस साधु 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिब्रिज़ा डॉटन भारत के खिलाफ अर्धशतक जड़ने के बाद 21 स्थान के फायदे से 59वें पायदान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में क्रियाना जोसेफ (22 स्थान के फायदे से 65वें स्थान) और गेंदबाजी रैंकिंग में करिशमा रामहरक (छह स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

रोहित, शुभमन और यशस्वी से अधिक है भुवनेश्वर का औसत



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के शीर्ष बल्लेबाजों रोहित शर्मा, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विफल रहे हैं। इससे इनका औसत सीना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से भी कम हो गया है। इस सीरीज में विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया है पर केएल राहुल के अलावा कोई और बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर पाया है। टीम इंडिया का शीर्ष क्रम विफल रहा है। भुवनेश्वर का बल्लेबाजी औसत सीना देशों में 16 पारियों में 30.61 रहा है। वहीं रोहित का औसत 47 पारियों के बाद 29.20 है। शुभमन गिल का 19 पारियों के बाद 26.72 जबकि यशस्वी जायसवाल का 26.55 है। इसके अलावा भुवनेश्वर के टेस्ट में बल्लेबाजी के आंकड़ों की बात करें तो, उन्होंने भारत के लिए 3 अर्धशतक लगाकर 22.1 की औसत से 552 रन बनाए हैं। भुवनेश्वर ने अब तक भारत के लिए 21 टेस्ट, 121 एकदिवसीय और 87 टी20 मुक़ाबले खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने 63, एकदिवसीय में 141 तो टी20 में 90 विकेट लिए हैं। वहीं अब टीम इंडिया का हिस्सा नहीं है। भुवनेश्वर ने आखिरी बार टेस्ट मैच 6 साल पहले 2018 में दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग में खेला था।

प्रधानमंत्री ओर खेलमंत्री ने एशिया कप विजेता भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई दी

—हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को दिने दो लाख रुपये



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की प्रशंसा करते हुए उसे एशिया कप जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एशिया कप खिताब जीतने पर बधाई दी है। टीम को एशिया कप में बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प के कारण ये जीत मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सफलता हॉकी के प्रति युवाओं में बढ़ते जुनून को भी दिखाती है। उन्होंने टीम को उनके भविष्य के

प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री के अलावा केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भी टीम को

जीत पर बधाई दी। गौरतलब है कि भारतीय हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप के फाइनल में चीन को पेनल्टी शूटआउट में 3-

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में 423 रनों से हराकर साउदी को दी शानदार विदायी

हैमिल्टन (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में 423 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में जीत के लिए 658 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम चायकाल से पहले केवल 234 रनों पर ही आउट हो गयी। इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर पाये। स्टोक्स को तीसरे दिन ही गेंदबाजी के दौरान ही बायर्स हेमरिस्टिंग में चोट लगी थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाये थे।

ये मेजबान न्यूजीलैंड की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2018 में श्रीलंका को 423 रन से ही हराया था। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने अपनी तेज गेंदबाज टिम साउदी को जीत के साथ विदायी दी है। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट आठ विकेट से और दूसरा 323 रन से जीता था। इस हार से इंग्लैंड की क्लबन स्वीप की उम्मीदें भी टूट गयीं। आज इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 18 रन से आगे खेलना शुरू किया पर उसके बल्लेबाज मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये।

तीसरे विकेट के लिए जो रूट 54 और जैकब बेथेल 76 ने 104 रन की साझेदारी पर हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप के फाइनल में चीन को पेनल्टी शूटआउट में 3-



अब मैं फैन बनकर क्रिकेट देखूंगा : टिम साउथी ने रिटायरमेंट होने पर कही यह बात

हैमिल्टन (एजेंसी)। अपने विदाई टेस्ट में 423 रनों से जीत के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के सभी साथियों को धन्यवाद दिया, जो 17 साल से अधिक समय से उनकी यात्रा का हिस्सा थे। साउथी अब एक प्रशंसक के रूप में खेल देखने के लिए उत्सुक हैं। साउथी के लिए विदाई टेस्ट यादगार रहा। कीवी टीम ने इंग्लैंड को 658 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे इंग्लैंड ने 423 रनों से गंवा दिया। साउदी ने पहली पारी में 23 रनों की पारी खेलते हुए तीन तीनों छक्के लगाए थे। लेकिन 100 टेस्ट छक्के के आंकड़े तक पहुंचने से सिर्फ दो कदम पीछे रह गए। अंतिम पारी में उन्हें बेन डकट और जैकब बेथेल के विकेट मिले।

मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान, साउथी ने कहा कि इंग्लैंड को श्रृंखला जीतने पर बधाई।

हमेशा की तरह आज भी मैंने शानदार भावना से खेला। मैंने वर्षों से खेलने का आनंद लिया है। इस अवसर पर मैं कुछ लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। पिछले 17 वर्षों में उतार-चढ़ाव के दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमेशा साथ दिया। साथ ही सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहूंगा। प्रशंसकों को भी। प्रशंसकों के सामने आना हमेशा अच्छा होता है, और इस सप्ताह सेर्डन पार्क में भारी शोड के सामने खेलना बहुत खास रहा। अब मैं एक प्रशंसक के रूप में मैच देखने के लिए उत्सुक रहूंगा। साउदी ने 776 अंतरराष्ट्रीय विकेटों के साथ खेल से संन्यास लिया है। वह सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कीवी गेंदबाज हैं। साउथी ने 391 टेस्ट विकेट हासिल किए, जो रिचर्ड हैडली (431 विकेट) के बाद किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक

विकेट है। टी20 इंटरनेशनल में वह 164 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 221 एकदिवसीय विकेटों के साथ, वह काइल मिल्स (240 विकेट) और डैनियल वितोरी (297 विकेट) के बाद, कीवीज के लिए एकदिवसीय मैचों में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के एक सभ्य बल्लेबाज भी थे, जिन्होंने 394 मैचों में 14.11 की औसत और 8 अर्धशतकों के साथ 3,288 रन बनाए। इनमें से अधिकांश रन टेस्ट में आए, जिसमें 15.48 की औसत से 2,245 रन बने, जिसमें 7 अर्धशतक शामिल थे। टेस्ट में उन्होंने 98 छक्के लगाए हैं। ऐसा कर वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले प्लेयर्स की सूची में चौथे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की है।



वेस्टइंडीज टीम के सभी प्रारूपों के कोच बने डैरेन सैमी

पोर्ट ऑफ स्पेन। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के निदेशक माइल्स बैसकॉम्ब ने डैरेन सैमी को वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के सभी प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वह अप्रैल 2025 में वर्तमान टेस्ट कोच अद्रे कोले का स्थान लेंगे।



सीमित ओवर कोच डैरेन सैमी सभी प्रारूपों के लिए कोच बनाये जाने पर कहा, 'किसी भी प्रारूप में, किसी भी पद पर वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा से सम्मान की बात है। हालांकि इस खबर की कल्पना मैंने भी नहीं की थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कोच बनूंगा, लेकिन जिस तरह से अभी तक चीज सामने आयी हैं उससे मुझे इस काम से प्यार हो गया है। मैं अपनी नई भूमिका, नई यात्रा के लिए भी उत्साहित हूँ।' सैमी के कोचिंग कार्यकाल में मई 2023 से वेस्टइंडीज ने 28 में से 15 एकदिवसीय मैच जीते हैं। उन्होंने इस दौरान सात में से चार द्विपक्षीय सीरीज जीते हैं। वहीं टी-20 की बात करें तो टीम ने भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार घरेलू सीरीज जीती है। ओवरऑल उन्होंने इस दौरान 35 में से 20 टी-20 मैच जीते हैं।



कनगराज सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) की बेंज का हिस्सा नहीं हैं आर माधवन

हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि बविकयाराज कन्नन द्वारा निर्देशित और राघव लॉरेंस द्वारा मुख्य भूमिका में अभिनीत बेंज में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए आर माधवन को चुना गया है। वहीं, अब खुद आर माधवन ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है और सच का खुलासा किया है।

अभिनेता ने स्पष्ट किया कि वह लोकेश कनगराज सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) की बहुप्रतीक्षित परियोजना का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आर माधवन को बेंज में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिन्होंने आखिरी बार अयुथा एजुथु, निशब्दम और शैतान फिल्मों में ग्रे किरदार निभाए थे। यह देखते हुए कि सभी एलसीयू फिल्में जुड़ती हैं, प्रशासक अभिनेता के ब्रह्मांड में शामिल होने की संभावना से उत्साहित थे। वहीं, अब अभिनेता ने इन खबरों का खंडन किया है।

आर माधवन का पोस्ट

हालांकि, आर माधवन ने एक्स अकाउंट पर रिपोर्ट साझा करते हुए स्पष्ट किया कि उन्हें बेंज के लिए संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, अरे, यह मेरे लिए खबर है। यह उतना ही रोमांचक लगता है और मुझे इस तरह के ब्रह्मांड का हिस्सा बनना अच्छा लगेगा। मैं इस खबर से हैरान हूँ, क्योंकि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बेंज का निर्देशन नहीं करेंगे लोकेश

बेंज एलसीयू की पहली फिल्म है, जिसे लोकेश निर्देशित नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने फिल्म की कहानी लिखी है और इसे निर्मित भी कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा इस साल अप्रैल में की गई थी और अक्टूबर में राघव के जन्मदिन पर एप्रन पहने और बंदूक थामे हुए उनका एक टीजर रिलीज किया गया था। लोकेश रजनीकांत के साथ कुली का निर्देशन करने में व्यस्त हैं। माधवन जल्द ही टेस्ट, शंकरा और धुरंधर में अभिनय करेंगे।



धनुष के साथ कानूनी लड़ाई पर नयनतारा ने तोड़ी चुप्पी

नयनतारा ने अपनी नेटपिलक्स डॉक्यूमेंट्री नयनतारा-बिरोन्ड द फेयरीटेल में नानम राउडी धान के बीटीएस विलप के इस्तेमाल को लेकर धनुष के साथ कानूनी लड़ाई के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि वह और उनके निर्देशक-पति विग्नेश शिवन नानम राउडी धान के निर्माता धनुष के पास अधिकारों के लिए एक दस्तावेज के रूप में पहुंचे। हालांकि, जब धनुष ने एनओसी देने से इनकार कर दिया तो वे उससे आगे बढ़ गए।

कैसे बढ़ा विवाद

इसके साथ ही नयनतारा ने यह भी बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद कैसे बढ़ा। उन्होंने कहा, इसका कभी भी विवाद बनने का इरादा नहीं था और इसे उस विशेष समय पर प्रदर्शित करने का कभी भी इरादा नहीं था जब हम नेटपिलक्स पर अपनी फिल्म रिलीज करने वाले थे। दरअसल, 16 नवंबर को अपनी नेटपिलक्स फिल्म की रिलीज से दो दिन पहले नयनतारा ने धनुष द्वारा उनकी डॉक्यूमेंट्री में बीटीएस विलप के इस्तेमाल को लेकर कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद एक निंदा पत्र लिखा।

ऐसे बिगड़े रिश्ते

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने आपसी संपर्क के जरिए धनुष से इंकार करने का कारण जानने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैंने उनके मैनेजर से बात की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती। मैंने उनसे कहा कि अगर आप एनओसी नहीं देते हैं तो कोई बात नहीं। यह उनका फैसला है। यह उनकी फिल्म है, लेकिन मैं उनसे फोन पर बात करना चाहती थी, ताकि समझ सकूँ कि मामला क्या है। मैं मामले को स्पष्ट करना चाहती थी। हमें सबसे अच्छे दोस्त होने की जरूरत नहीं थी, लेकिन मैं चाहती थी कि अगर हम भविष्य

में एक-दूसरे से मिलें तो कम से कम हाथ तो कह सकें। अभिनेत्री ने आगे कहा, मुझे डरने की जरूरत नहीं है। साहस सिर्फ सच से आता है। मुझे सिर्फ तभी डरना चाहिए, जब मैं कुछ गढ़ रही हूँ। अगर मैं ऐसा नहीं कर रही हूँ तो मुझे डरने की जरूरत नहीं है। अगर मैंने अभी नहीं बोला, जब चीजे पहले ही बहुत आगे बढ़ चुकी थीं तो मुझे नहीं लगता कि किसी में फिर कभी अपने लिए खड़े होने की हिम्मत होगी। नयनतारा, विग्नेश शिवन और धनुष के बीच कानूनी लड़ाई अभी भी जारी है।

मर्दानी बनकर लौट रहीं हैं रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी एक बार फिर मर्दानी बनकर बड़े परदे पर लौट रहीं हैं। खाकी वर्दी में एक बार फिर वह धाक जमाती नजर आएंगी। अभिनेत्री की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी मर्दानी की तीसरी किस्त का आज एलान हो गया है। अभिराज मीनावाला के कंधों पर इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी है। यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा यानी रानी मुखर्जी के पति इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।



मैथियास के साथ शादी को लेकर तापसी पन्नू का बड़ा खुलासा

तापसी पन्नू के अपनी शादी को लेकर हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। दरअसल इस साल की शुरुआत में तापसी अपनी शादी की खबरों को लेकर खूब छाई। उन्होंने एक निजी समारोह में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मैथियास बो से शादी की। मगर इसे लेकर हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि उनकी शादी इस साल नहीं, बल्कि पहले ही हो गई थी। तापसी पन्नू की शादी की खबरें इस साल मार्च में खूब छाई। मगर हाल ही में एक मीडिया बातचीत में तापसी ने खुलासा किया कि उनकी शादी इस साल मार्च में नहीं, बल्कि बीते साल यानी 2023 में दिसंबर में ही हो गई थी। तापसी पन्नू का कहना है कि उन्होंने पिछले साल दिसंबर में ही अपने बॉयफ्रेंड से शादी कर ली और वे दोनों जल्द ही अपनी शादी की सालगिरह मनाने वाले हैं।

निजी जिंदगी पर चर्चा नहीं पसंद
तापसी ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में उन्होंने पेर साइन कर आधिकारिक तौर पर शादी की, फिर इस साल मार्च में उन्होंने रीति-रिवाज से शादी की। तापसी पन्नू ने आगे कहा कि लोग उनकी शादी से पूरी तरह अनजान थे। अगर वे खुद नहीं बताती तो इस सौंफ्रेट को भी कोई नहीं जान पाता। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें निजी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद है।

शादी पर बात करना जरूरी नहीं लगा

तापसी पन्नू ने कहा, मैं निजी और प्रोफेशनल लाइफ के बीच एक लकीर खींचकर रखती हूँ। मैंने कभी कुछ नहीं छिपाया। मैं मैथियास को 2013 से जानती हूँ। मैंने अपनी फिल्मों पर बात की, उनका प्लान किया। मुझे अपनी शादी और अपने पति को लेकर प्लान करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। तापसी और पूर्व ओलंपिक मेडलिस्ट मैथियास बो की शादी में करीबी और परिवार वाले ही शामिल हुए थे।

पाँपुलैरिटी को अहमियत नहीं देती शालिनी पासी

कुछ समय पहले एक शो फेबुलस लाइफ वर्सज बॉलीवुड वाइव्स आया था। इसमें वैसे तो कई बॉलीवुड से जुड़ी सेलिब्रिटी और स्टार वाइफ शामिल रहीं, लेकिन दिल्ली की सोशललाइट शालिनी पासी सबसे ज्यादा खबरों में बनी रहीं। शो के खत्म होने के बाद उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हो गई। हाल ही में वह बिग बॉस 18 में भी नजर आईं, बिग हाउस में एक दिन प्रतियोगियों के साथ गुजारा कर आईं। वहां भी जो बार्त शालिनी ने की, वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में शालिनी पासी ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें अपनी हालिया सफलता पर बात की। शालिनी ने हालिया दिए गए इंटरव्यू में कहा कि पाँपुलर होना, कड़ी मेहनत का नतीजा होता है। वह नहीं जानती हैं कि उन्होंने कुछ हासिल किया है या नहीं? शालिनी को जो पाँपुलैरिटी मिल रही है, उससे ज्यादा जो लोगों का प्यार मिल रहा है, उन्हें वो पसंद है। वह कहती हैं, 'मुझे दुनिया भर से इतना प्यार मिल रहा है कि यह पाँपुलैरिटी से ज्यादा बेहतर है।'

खुद को सेंसिटिव बताया

शालिनी पासी हाल ही में बिग बॉस 18 में गई थीं, यह शो उनके नेचर से अलग था, इसके बावजूद शालिनी पासी को शो के प्रतियोगी पसंद आए। लेकिन शालिनी का मानना है कि वह झगड़े और शोर के कारण घबरा जाती हैं। वह खुद को बहुत सेंसिटिव इंसान मानती हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू में शालिनी ने यह भी बताया कि वह जो कुछ भी कमती हैं, वह सबकुछ दान कर देती हैं। उनका दान किया हुआ पैसा बिहार के एक गांव में जाता है। साथ ही वह महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी काफी काम कर रही हैं।

आगे के प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया

शालिनी ने एक इंटरव्यू में यह भी कहा था कि उनका मकसद बड़ी-बड़ी पार्टों में शामिल होना नहीं है। वह बहुत कुछ अलग करना चाहती हैं। शालिनी एक ऐसा शो भी बनाना चाहती हैं जो भारतीय संस्कृति को दिखाएगा। हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि लोग कहते हैं कि ऐसे शो को देखने के लिए कम ही दर्शक मिलेंगे, लेकिन मैं भारत को, अपनी संस्कृति को और महिलाओं की शक्ति दिखाने के लिए तैयार हूँ।



मस्ती 4 के ऐलान पर विवेक ओबराय ने कहा ब्रोमेंस शुरू हो गया

साल 2004 में रिलीज निर्देशक इंद्र कुमार की सुपरहिट फिल्म मस्ती के चौथे पार्ट की घोषणा कर दी गई है। विवेक ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में फिल्म निर्माता-लेखक मिलाप जावेरी अपने सह-कलाकार रितेश देशमुख को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। विलप में जावेरी रितेश को किस करने की कोशिश करते हैं और गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस पर विवेक ओबराय ने कैप्शन दिया, मस्ती 4 अब आधिकारिक रूप से एक प्रेम कहानी है...ब्रोमेंस शुरू होता है! पहली फिल्म के बाद 20 साल का पागलपन! माफ करें, मैं लॉन्च पर नहीं आ सका...जल्द ही शूटिंग पर आरंभ मिलेगा। अभिनेता आफताब शिवदासानी ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का वलेपबोर्ड पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने रितेश और जावेरी के साथ भी एक तस्वीर शेयर की। एक तस्वीर में कलाकार, निर्देशक और दिग्गज अभिनेता जीतेंद्र भी थे। आफताब ने लिखा, पागलपन शुरू हो गया है। अब तक का सबसे मजेदार... हैश टैग मस्ती 4। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित अडल्ट कॉमेडी

फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई थी, जिसमें अजय देवगन, विवेक ओबराय, रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, अमृता राव, तारा शर्मा और जेनेलिया डिसूजा ने अभिनय किया था।

इस फिल्म के दो और सीकल थे, ग्रैंड मस्ती, जो 2013 में रिलीज हुई और 2016 में ग्रेट ग्रैंड मस्ती। ग्रैंड मस्ती का निर्देशन भी इंद्र कुमार ने किया था। इसमें वही कलाकार थे, फिर भी यह फिल्म आगे नहीं बढ़ती और यह एक नई किस्त है। फिल्म में रूना अबुल्ला, करिश्मा तन्ना, सोनाली कुलकर्णी, कायनात अरोड़ा, मरियम जकारिया और मंजरी फडनिस भी हैं।

ग्रेट ग्रैंड मस्ती की बात करें तो यह एक हॉरर कॉमेडी थी। विवेक, रितेश और आफताब ने पहले दो किस्तों से अपनी भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि, तीसरे भाग में उर्वशी रातेला, श्रद्धा दास, मिथी चक्रवर्ती, पूजा बोस और संजय मिश्रा थे। फिल्म का निर्देशन करने वाले मिलाप इससे पहले शूटआउट एट वडाला, सत्यमेव जयते और मराजावां में काम कर चुके हैं।

सोनू सूद की 'फतेह' में दिखेगा यो यो हनी सिंह का जादू

अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'फतेह' की रिलीज को लेकर एक्साइटड अभिनेता सोनू सूद फैंस के साथ पल-पल के अपडेट शेयर करते हैं। सूद ने एक पोस्टर शेयर कर फैंस को बताया कि फिल्म के नए गाने 'हिटमैन' में हनी सिंह का जादू दिखेगा। अपकमिंग फिल्म फतेह के तड़क-भड़क म्यूजिक से सजे गाने का टाइटल 'हिटमैन' है और इसमें सोनू सूद का कमाल और रैपर हनी सिंह का स्वेग एक साथ देखने को मिलेगा। गाने के पोस्टर को शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, खुश होने के लिए तैयार हो जाइए। 'हिटमैन' गाना 17 दिसंबर को रिलीज होगा! फतेह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। 'हिटमैन' में सोनू सूद के साथ हनी सिंह का शानदार कोलाब देखने को मिलेगा, 17 दिसंबर को आउट होगा! पोस्टर में काले सूट बूट में सोनू सूद के साथ हनी सिंह खड़े नजर आए और दोनों हाथ में राइफल पकड़े हैं। 'हिटमैन' फतेह एल्बम का

दूसरा ट्रैक है। इससे पहले, यह बताया गया था कि सिंगर लॉय कोटलर ने फतेह में काल दू लाइफ टाइटल गाने को अपनी आवाज दी, जो कि फिल्म का पहला गाना है। एक्शन फिल्म की सफलता और प्रमोशन को लेकर सोनू सूद ने तैयारी शुरू कर दी।

